वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 251 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली गुरूवार 3 दिसंबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

सरकार कृषि कानूनों को रद्द करे, वरना दिल्ली ब्लॉक कर देंगे

किसानों की चेतावनी, समर्थन में आए ट्रांसपोर्टर, मांगें नहीं मानी तो 8 दिसंबर को देशभर में थम जाएंगे ट्रकों के पहिए

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन कर रहे किसानों ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी है कि सरकार विशेष सत्र बुलाकर इन कानूनों को रद्द कर दे अन्यथा किसान दिल्ली ब्लॉक कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि सरकार पंजाब के किसानों के अलावा पूरे देश के किसान नेताओं को बातचीत के लिए बुलाए। प्रोफेसर दर्शनपाल ने कहा कि हमने आपस में मीटिंग ख़त्म की है। केंद्र सरकार ने पहले सिर्फ़ पंजाब को बुलाया था, हमने चार नुमाइंदों की समिति का प्रपोज़ल ठुकराया ताकि और किसानों को भी बुलाया जाए। योगेंद्र यादव के नाम पर सरकार को ऐतराज था। सरकार ने दिखाने की कोशिश की कि ये सिर्फ़ पंजाब के किसानों का आंदोलन है। सरकार ने हमें बांटने की कोशिश की। सरकार ने हमें टरकाने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि हमने मिलकर निर्णय लिया है कि कल फिर इन्हें लिखकर देंगे। हम चाहते हैं कि तीनों कानूनों को रद्द करें। हम चाहते हैं कि सरकार विशेष सत्र बुलाकर इन कानूनों को रद्द कर दे। हम कल फिर से लिखकर देंगे कि हम क्यों चाहते हैं कि ये कानून रद्द हों। नहीं तो आंदोलन होगा। पूरी दिल्ली ब्लाक कर देंगे।उन्होंने कहा कि हमने निर्णय लिया है कि हमारे पंजाब के किसानों के अलावा पूरे देश के किसान नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया जाए। हमने 5 तारीख़ को पूरे देश में मोदी सरकार का पुतला दहन करने का आह्वान किया है। पूरे देश में 5 तारीख़ को धरना देंगे। सात तारीख़ को खिलाडी और कलाकार, जिन्हें राष्ट्रीय अवार्ड मिले हैं वे उन्हें वापस दे देंगे।

तीन कृषि बिलों को लेकर किसान आंदोलन जारी है। इस आंदोलन का विभिन्न संगठनों द्वारा समर्थन किया जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में ट्रांसपोर्टरों ने किसानों के समर्थन में 8 दिसंबर से देशव्यापी हड़ताल पर जाने का आह्वान किया है। करीब 1 करोड़ मालवाहक ट्रक ड्राइवरों का प्रतिनिधित्व करने वाली

सर्वोच्च ट्रांसपोर्ट बॉडी ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने किसानों के विरोध के समर्थन में 8 दिसंबर से हड़ताल पर जाने का आह्वान किया है।

AIMTC के अध्यक्ष कुलतरण सिंह अटवाल ने कहा कि 8 दिसंबर से हम उत्तर भारत में अपने सभी कार्यों को बंद कर देंगे और अपने सभी वाहनों को उत्तर भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली, हरियाणा, यूपी, पंजाब, हिमाचल और जम्मू में रोक देंगे। हमने तय किया है कि अगर सरकार ने अब भी प्रदर्शनकारी किसानों की मांगें नहीं मानीं तो हम पूरे भारत में 'चक्का जाम' के लिए आह्वान करेंगे और हमारे सभी वाहनों को रोक देंगे।

अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने किसानों के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा है कि किसान हमारा अन्नदाता है और वह भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी की तरह है, ऐसे में उनकी मांगों की अनदेखी करना सही नहीं है। अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस की तरफ से कहा गया है कि हमारे देश में ग्रामीण इलाके के करीबन 70 फ़ीसदी परिवार किसानी और खेती से जुड़े हुए हैं, ऐसे में यह किसान हमारे देश के अन्नदाता हैं और इनकी मांगों को गंभीरता से लेना जरूरी है।

उधर, किसान आंदोलन के चलते देश की राजधानी दिल्ली में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मूकश्मीर से फलों और सब्जियों की आवक घट गई है। फलों और सब्जियों की आवक घटने से दिल्ली एनसीआर समेत उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में भी फलों की कीमतों में तेजी बनी रह सकती है। प्रदर्शनकारियों ने पहले दिल्ली में प्रवेश करने वाले सिर्फ तीन सड़क मार्ग को जाम किया था, लेकिन बुधवार को नोएडा लिंक रोड स्थित चिल्ला बॉर्डर समेत कुछ अन्य मार्गों पर भी जाम शुरू कर दिया गया।

लॉकअप में ऑडियो के साथ सीसीटीवी लगाए जाएं: SC

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने आज अहम निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सीबीआई, एनआईए ,प्रवर्तन निदेशालय , नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो,डायरेक्ट्रेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस और सीरियस फ्रॉड इनवेस्टीगेशन ऑफिस के कार्यालयों में ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ सीसीटीवी कैमरों की स्थापना हो।

सभी राज्यों को पुलिस स्टेशनों में भी ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये कैमरे पुलिस स्टेशन के प्रवेश और निकास बिंदु, लॉक अप, कॉरिडोर, लॉबी, रिसेप्शन एरिया, सब इंस्पेक्टर और इंस्पेक्टर के कमरे, थाने के बाहर, वॉशरूम के बाहर स्थापित किए जाने चाहिए। इन रिकॉर्डिंगों को 18 महीने तक रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से संबंधित एक मामले में आदेश जारी किया है. जस्टिस रोहिंटन एफ नरीमन, जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की एक

बेंच ने 45 दिनों से अधिक के सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने और एकत्रित करने के सवाल पर मंगलवार को फैसला सुरक्षित रखा था. पीठ ने शुक्रवार तक वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे, एमिकस क्यूरी को एक व्यापक नोट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ती हिरासत यातना के मामले से निपटने के लिए देश के हर पुलिस स्टेशन में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया था। पंजाब में पुलिस की ज्यादती की एक घटना के बाद इस मामले को पुनर्जीवित किया गया था। इसके साथ ही एक रिपोर्ट पेश करने के लिए दवे को एमिकस के रूप में नियुक्त करते हुए आदेश दिया कि वे अटॉर्नीजनरल केके वेणुगोपाल के साथ मिलकर देखें कि क्या कदम उठाया जा सकता है. सुनवाई में दवे ने न्यायालय में प्रस्तुत किया कि 15 राज्यों ने शीर्ष अदालत द्वारा जारी नोटिस का जवाब दिया था और निर्देशों के अनुपालन पर शपथ पत्र प्रस्तुत किया । सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये निर्देश अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों में हैं। अदालत द्वारा दिए गए आदेशों के बाद ढाई साल तक कुछ भी पर्याप्त नहीं किया गया है।

किसान आंदोलन के पीछे CAA-NRC और दंगा भड़काने वाली ताकतें: नरोत्तम मिश्रा

(विशेष संवाददाता)

भोपाल । केंद्र सरकार द्वारा हाल के दिनों में पास किये गए तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब, हरियाणा, राजस्थान आदि प्रान्तों के किसान आंदोलनरत हैं।

इन राज्यों से शुरू होकर दिल्ली पहुंचे किसान आंदोलन को लेकर मप्र के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बड़ा हमला बोला है। नरोत्तम मिश्रा ने दावा किया है कि किसान आंदोलन की आड़ में **CAA-NRC** और दंगा भड़काने वाली ताकतें सक्रिय हैं।

गृहमंत्री सिंगरौली जाते समय जबलपुर के डुमना विमानतल पर आधे घंटे के अल्प समय के लिए रुके थे। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दिल्ली में जारी किसान आंदोलन पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के साथ बातचीत का प्रयास कर रही है। इसका हल किसानों से बातचीत के माध्यम से ही निकल सकता है, लेकिन उकसाने वाले असामाजिक तत्व इस आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने कहा ऐसे लोग आपसी बातचीत और समन्वय के बीच बार बार गतिरोध पैदा कर रहे हैं।

गृहमंत्री ने आरोप लगाए कि किसान आंदोलन के पीछे वही ताकतें हैं जो **CAA** और **NRC** आंदोलन के पीछे थीं। सिंगरौली प्रवास पर निकले प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा बुधवार को कुछ देर के लिए जबलपुर के डुमना विमान तल पर रुके।

इस दौरान उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत की। करीब 30 मिनट **MIC** सदस्य कमलेश अग्रवाल सहित अन्य कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ समय बिताने के बाद वे यहां से सिंगरौली के लिए रवाना हुए।

गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मध्य प्रदेश विधान सभा के आगामी सत्र को लेकर सरकार की तैयारियों की भी जानकारी दी। कहा कि सत्र के दौरान जनहित से जुड़े कई अहम मुद्दों और प्रस्तावों पर मुहर लगेगी।

30 करोड़ लोगों को ही मुफ्त लगेगी कोरोना वैक्सीन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया और भारत बायोटेक के वैक्सीन के तीसरे फेज के एडवांस स्टेज में पहुंचने के साथ ही सरकार के वैक्सीन वितरण की रणनीति साफ होने लगी है।

इस रणनीति के तहत कोरोना की जांच व मरीजों के इलाज में लगे स्वास्थ्यकर्मियों, सफाईकर्मियों के साथ अन्य कोरोना वारियर्स के साथसाथ 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को केंद्र सरकार प्राथमिकता के आधार पर मुफ्त में वैक्सीन देगी। इनके अलावा अन्य लोगों को वैक्सीन के लिए न सिर्फ लंबा इंतजार करना पड़ेगा, बल्कि उसकी कीमत भी उन्हें खुद चुकानी पड़ सकती है। वैसे राज्य सरकारों को भी अपनेअपने प्राथमिकता वाले ग्रुप की पहचान कर उन्हें वैक्सीन देने की छूट होगी। केंद्र सरकार थोक में वैक्सीन खरीद कर सस्ती दरों पर राज्यों को उपलब्ध कराएगी। आम लोगों को कोरोना का मुफ्त वैक्सीन उपल्बध कराने के संवेदनशील मुद्दे पर सरकार का कोई भी अधिकारी खुल कर बोलने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन मंगलवार

को स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने साफ संकेत दिया कि केंद्र सरकार सभी लोगों को मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध नहीं कराने जा रही है। उनके अनुसार, केंद्र सरकार ने कभी भी सभी लोगों को वैक्सीन देने की बात नहीं की थी। वहीं, आइसीएमआर के महानिदेशक डाक्टर बलराम भार्गव के अनुसार, सरकार की कोशिश वैक्सीन देकर कोरोना के संक्रमण की कड़ी को तोड़ना भर है और वैक्सीन के साथसाथ मास्क भी इसमें अहम भूमिका निभाएगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि केंद्र सरकार 30 करोड़ लोगों को प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन देने का फैसला किया है। इनमें 50 साल से अधिक उम्र के व्यक्ति भी शामिल हैं, जिनमें कोरोना के कारण मरने की वालों की संख्या सबसे ज्यादा है।

प्रति व्यक्ति दो डोज के हिसाब से प्राथमिकता वाले लोगों के लिए ही कुल 60 करोड़ डोज की जरूरत पड़ेगी। उनके अनुसार दुनिया के सबसे वैक्सीन उत्पादक देश होने के बावजूद मौजूदा क्षमता के अनुसार 60 करोड़ डोज मिलने में छह से सात महीने के समय लग जाएगा।

सरकार 'बातचीत का ढकोसला' बंद करे और तीनों 'काले कानून' खत्म करे: राहुल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार 'बातचीत का ढकोसला' बंद कर इन 'काले कानूनों' को खत्म करे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि किसानों की आय आधी हो गई, लेकिन सरकार के 'मित्रों' की आय चैगुनी हो गई। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, ''मोदी सरकार, किसानों को जुमले देना बंद करें। बेईमानी अत्याचार बंद करें। बातचीत का ढकोसला बंद करें। किसानमजदूर विरोधी तीनों काले कानून खत्म करें।'' उन्होंने किसानों के प्रदर्शन से

जुड़ा एक वीडियो साझा करते हुए कहा, ''कहा गया था कि किसान की आय दुगनी होगी। लेकिन 'मित्रों' की आय हुई चैगुनी और किसान की हो गई आधी।'' राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ''यह झूठ की, लूट की, सूट बूट की सरकार है।'' उल्लेखनीय है कि नए केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 35 किसान संगठनों की चिंताओं पर गौर करने के लिए एक समिति गठित करने के सरकार के प्रस्ताव को मंगलवार को किसान प्रतिनिधियों ने ठुकरा दिया। सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ मंगलवार को हुई उनकी लंबी बैठक बेनतीजा रही। इन कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में किसान दिल्ली के निकट पिछले एक सप्ताह से प्रदर्शन कर रहे हैं।

फिक्की की सालाना आम बैठक को 12 दिसंबर को संबोधित करेंगे मोदी

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 दिसंबर को उद्योग संगठन फिक्की की 93वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वह 'प्रेरित भारत' बनाने में उद्योग जगत की भूमिका पर अपने विचार और दृष्टिकोण साझा करेंगे। फिक्की ने बुधवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री वार्षिक आम बैठक (एजीएम) का आभासी तरीके से उद्घाटन करेंगे। वह डिजिटल माध्यम से ही एजीएम को संबोधित भी करेंगे। यह बैठक 11, 12 और 14 दिसंबर को आयोजित हो रही है। इसका थीम 'प्रेरित भारत' है। संगठन ने कहा कि इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नितिन गडकरी, वाणिज्य एवं उद्योग व रेल मंत्री पीयूष गोयल, विदेश मंत्री एस जयशंकर और इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, संचार व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद के शामिल होने की संभावना है। फिक्की की इस साल की एजीएम के वक्ताओं की सूची में सत्या नडेला , एरिक श्मिट (नेशनल सिक्योरिटी कमिशन ऑन एआई के चेयरमैन एवं अल्फाबेट के पूर्व चेयरमैन) और टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, कैडिला हेल्थकेयर के चेयरमैन पंकज पटेल तथा ओयो होटल्स होम्स के संस्थापक रितेश अग्रवाल समेत कई शीर्ष भारतीय कारोबारी शामिल हैं।

निवार के बाद तबाही मचाने आ रहा चक्रवात बुरेवी, रेड अलर्ट

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । चक्रवात निवार के हफ्तेभर के अंदर फिर से एक और चक्रवात दस्तक देने वाला है। दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर गहरे दबाव के क्षेत्र ने मजबूत होकर चक्रवाती तूफान बुरेवी का रूप ले लिया है और आज रात श्रीलंकाई तट से इसके टकराने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बुरेवी चक्रवात को लेकर चेतावनी जारी है। मौसम विभाग ने केरल के 4 राज्यों तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पठानमथिट्टा और अलाप्पुझा में 3 दिसंबर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा है कि श्रीलंका के त्रिंकोमाली पहुंचने के बाद बुरेवी के मन्नार की

खाड़ी और तमिलनाडु में कन्याकुमारी के आसपास कोमोरिन इलाके की ओर आने की आशंका है। विभाग ने बताया कि उसके बाद वह पश्चिम दक्षिण पश्चिम की ओर बढ़ेगा और चार दिसंबर की सुबह कन्याकुमारी और पम्बन के बीच दक्षिण तमिलनाडु तट को पार करेगा।

मौसम विभाग ने आगे बताया कि बुधवार को दोपहर 2ः30 बजे, चक्रवाती तूफान श्रीलंका से 110 किमी उत्तरपूर्व, तमिलनाडु के पम्बन से 330 किमी दक्षिणपूर्व और कन्याकुमारी से 520 किलोमीटर उत्तरपूर्व में बना हुआ था। विभाग का कहना है कि 3 दिसंबर को दोपहर में चक्रवात की गति 7080 किलोमीटर प्रति घंटे होगी और यह पम्बन के काफी करीब होगा।

कृषि कानूनों को रद्द करने को बुलाया जाए संसद का विशेष सत्र, किसानों की सरकार से मांग

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे बड़ी संख्या में पंजाब, हरियाणा के किसानों ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। किसानों ने कहा है कि सरकार नए कानूनों को रद्द करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए।

किसान नेताओं का कहना है कि अगर कृषि कानूनों से जुड़ी उनकी समस्याओं का हल नहीं होता है तो फिर वे और कदम उठाएंगे। प्रदर्शन कर रहे किसानों के नेताओं ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर सरकार तीनों कृषि कानूनों को वापस नहीं लेगी तो हम दिल्ली की और सड़कों को ब्लॉक करेंगे। किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा, अगर सरकार हमारी मांगें नहीं मानेगी तो हम और कदम उठाएंगे। वहीं, किसान नेता दर्शन पाल ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा, केंद्र को नए कृषि

कानूनों को निरस्त करने के लिए संसद का विशेष सत्र आहूत करना चाहिए। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किसान नेता दर्शन पाल ने आरोप लगाया कि केंद्र किसान संगठनों में फूट डालने का काम कर रहा है, लेकिन ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे पहले, करीब 32 किसान संगठनों के नेताओं ने सिंघू बॉर्डर पर बैठक की जिसमें भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत भी शामिल हुए। वहीं, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को एक बार फिर से कहा है कि केंद्र सरकार किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कृषि कानूनों को किसानों के हितों में बताते हुए कहा कि इन्हें लंबे इंतजार के बाद लागू किया गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, मैं किसानों से अपील करता हूं कि कानून उनके हित में हैं और सभी सुधारों को लंबे वक्त के बाद लागू किया गया है। लेकिन, यदि उन्हें कुछ भी समस्या है, तो फिर सरकार उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार है।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार किसान नेताओं के साथ एक बार फिर से कल (गुरुवार) को बातचीत करेगी। देखते हैं कि किस हद तक मुद्दे सुलझते हैं। प्रदर्शन कर रहे किसानों की दिल्ली से लगी सीमाओं पर बढ़ती संख्या को देख बुधवार को पुलिस ने सुरक्षा और कड़ी कर दी। दिल्ली के उत्तर प्रदेश से लगने वाले गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शन तेज हो गया है।

भारत-ब्रिटेन के संबंध होंगे और मजबूत

पीएम मोदी ने गणतंत्र दिवस के लिए UK के पीएम बोरिस जॉनसन को दिया न्योता

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अगले साल के गणतंत्र दिवस पर चीफ गेस्ट बन सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 नवंबर को जॉनसन से फोन पर बातचीत करके उन्हें यह न्योता दिया है। पूरे मामले से जानकार लोगों ने हिन्दुस्तान टाइम्स को बताया कि ब्रिटेन के पीएम जॉनसन ने अपनी ओर से अगले साल के जी7 समिट के लिए पीएम मोदी को न्योता दिया।

गणतंत्र दिवस के मौके पर पिछली बार साल 1993 में कोई ब्रिटेन का प्रधानमंत्री भारत आया था। उस समय जॉन मेजर गणतंत्र दिवस पर चीफ गेस्ट बने थे। हालांकि, नई दिल्ली इस मुद्दे पर कड़ा रुख अख्तियार कर रही है, लेकिन राजनयिकों को लगता है कि पीएम मोदी की ओर से यह एक अच्छी तरह से सोचीसमझी रणनीति है। अपने 27 नवंबर के ट्वीट में, पीएम मोदी ने कहा था कि उन्होंने अगले दशक

में भारतब्रिटेन संबंधों के महत्वाकांक्षी रोडमैप को लेकर दोस्त और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ एक अच्छी बातचीत की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया था, हम सभी क्षेत्रों में हमारे सहयोग में एक क्वांटम लीप के साथ व्यापार, निवेश, डिफेंस और सिक्योरिटी, क्लाइमेट चेंज और कोरोना वायरस को लेकर साथ काम करने पर सहमत हुए हैं। ब्रिटेन में स्थित लोगों, जो इस मामले से परिचित हैं, ने कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच बातचीत बहुत सकारात्मक थी, विशेष रूप से पीएम जॉनसन ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते की पेशकश की और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर सहयोग की चर्चा की। दोनों नेताओं ने साझेदारी को और मजबूत करने और कोविड19 के खिलाफ काम करने के तरीकों पर चर्चा की। जबकि यूके ग्रेट ब्रिटेन से ग्लोबल ब्रिटेन बनने का इच्छुक है, 1 जनवरी को ब्रेक्सिट लंदन पर गंभीर दबाव डालेगा क्योंकि यूरोपीय संघ के पास यूके के कुल व्यापार का 47% हिस्सा था। 43फीसदी ब्रिटेन निर्यात और 52% आयात करता है।

वहीं, भारत की नजर से देखें तो नई दिल्ली के लिए लंदन के साथ इंगेज करना काफी जरूरी है क्योंकि वह पी5 का हिस्सा है। इसके अलावा, ब्रिटेन के पास पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मीरपुर में मजबूत पॉलिटिकल लॉबी है।

एक नजर

निगरानी प्रणालियों को बंद करने की मांग पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली । केंद्रीय निगरानी प्रणाली (सीएमएस), नेटवर्क ट्रैफिक एनालिसिस (नेत्र) और नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (नैटग्रिड) जैसी निगरानी प्रणालियों से लोगों की निजता के अधिकार को खतरा बताने वाली याचिका पर उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में लोगों की निजता के अधिकार का हवाला देते हुए इन निगरानी प्रणालियों को बंद करने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश डी. एन. पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने मामले में केंद्रीय गृह, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और विधि एवं न्याय मंत्रालय को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने सभी पक्षों को अगली सुनवाई 7 जनवरी से पहले जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने गैर सरकारी संगठन सेंटर फॉर पब्लिक इंट्रेस्ट लिटिगेशन की याचिका पर यह आदेश दिया है। याचिका में कहा गया है कि इन निगरानी प्रणालियों से केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियां एक साथ सभी दूरसंचार के माध्यमों पर हो रही बातचीत का पता लगा सकती हैं जो व्यक्ति की निजता के मौलिक अधिकार का हनन है।

कारोबारी के कर्मचारी को चाकू मारकर बदमाशों ने लूटे 15 लाख

नई दिल्ली । उत्तरी जिले के लाहौरी गेट इलाके में एक कारोबारी के कर्मचारी को चाकू मारकर बदमाशों ने 15 लाख रुपये लूट लिये। कारोबारी के कहने पर उसका कर्मचारी राजधानी पार्क से 15 लाख का पेमेंट लेने के बाद उसे लेकर कूंचा घासीराम पहुंचा था। जहां चार बदमाशों ने उससे बैग छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर बदमाशों ने उसके हाथ पर चाकू मारकर बैग छीनकर फरार हो गये। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर सभी पहलुओं की जांच शुरू की है। खेड़ाखुर्द निवासी शक्ति सैनी (25) तिरपाल कारोबारी प्रतीक मित्तल के कारखाने में 9 साल से काम कर रहा है। मंगलवार दोपहर उसके मालिक ने ड्राइवर को साथ लेकर राजधानी पार्क से 15 लाख रुपये का पेमेंट लाने के लिए कहा। साथ ही कहा कि दस लाख ड्राइवर के मार्फत घर भिजवा दे और पांच लाख रुपये लेकर कूंचा घासीराम पहुंचे। शक्ति ड्राइवर लीला कृष्णन के साथ बाइक से राजधानी पार्क पहुंचा।

नई विदेश व्यापार नीति में नए उत्पादों पर जोर

नई दिल्ली, 02 दिसंबर। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि नई विदेश व्यापार नीति में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार तलाशने के साथ साथ परंपरागत बाजारों में नए उत्पादों के लिए उपभोक्ता बनाने पर जोर दिया जाएगा। श्री पीयूष ने यहां व्यापार बोर्ड की बहुप्रतीक्षित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने और भारतीयों के जीवन को सुगम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसके लिए सरकार ने घरेलू विनिर्माण उद्योगों को प्रोत्साहन देने के अलावा भारतीय उत्पादों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार तलाशने और नए उत्पादों के निर्यात पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में विदेश व्यापार की महत्वपूर्ण भूमिका है लेकिन इसके लिए विनिर्माण उद्योग को सशक्त बनाना होगा। उद्योगों को उत्पादों की उत्पादकता बढ़ाने और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक घरानों, राज्यों और मंत्रालयों को एक साथ आना होगा। सरकारी निकायों के प्रमुख, शीर्ष उद्योग संगठनों तथा निर्यात संवर्द्धन परिषदों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

15 से घटकर 7 फीसदी से नीचे आ गई संक्रमण दर, स्थिति संतोषजनक

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । दिल्ली पर कोरोना की तीसरी लहर का प्रभाव धीरे धीरे कम हो रहा है। बीते दिन 24 घण्टे के दौरान 4006 नए केस सामने आए थे, वहीं संक्रमण दर 6.85 फीसदी थी।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने इस स्थिति को संतोषजनक बताया है। सत्येंद्र जैन ने कोरोना की स्थिति को लेकर मीडिया से बातचीत में कहा कि जो संक्रमण दर 7 नवम्बर को 15 फीसदी थी, वो अब घटकर 7 फीसदी से भी नीचे आ गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह उम्मीद भी जताई है कि अगले कुछ दिनों में संक्रमण दर 5 फीसदी से भी नीचे आ जाएगी। दिल्ली में इन दिनों पोस्ट कोविड केयर से जुड़े कई मामले सामने आ रहे हैं। दिल्ली सरकार के राजीव गांधी अस्पताल में पोस्ट कोविड क्लीनिक है। क्या अन्य

कोरोना अस्पतालों में भी इसकी जरूरत है, इस सवाल पर सत्येंद्र जैन ने कहा कि राजीव गांधी अस्पताल के पोस्ट कोविड सेंटर में पर्याप्त व्यवस्था है।

सत्येंद्र जैन ने बताया कि पोस्ट कोविड सेंटर की जरूरत उन्हें ही पड़ती है, जिन्हें संक्रमण के दौरान आईसीयू में भर्ती होना पड़ा हो। क्या कोविड केयर सेंटर्स में सरकार आईसीयू बेड्स लगाने पर विचार कर रही है, इस सवाल पर सत्येंद्र जैन ने कहा कि अभी दिल्ली के कोरोना अस्पतालों में ही 11 हजार बेड्स और 1600 आईसीयू बेड्स हैं। इसलिए कोविड केयर सेंटर्स में आईसीयू बेड्स का कोई लॉजिक नहीं है। आईसीयू के लिए की जाने वाली व्यवस्था का जिक्र करते हुए सत्येंद्र जैन ने कहा कि इसके लिए केवल ऑक्सीजन से काम नहीं चलता। उन्होंने कहा कि आईसीयू के लिए अस्पतालों के जैसे हर तरह की सुविधा और डॉक्टर्स की जरूरत पड़ती है।

किसान आंदोलन वाली जगहों पर मेडिकल सुविधा की जानकारी देते हुए सत्येंद्र जैन ने कहा कि वहां मेडिकल कैम्प लगा रहे हैं। बता दें कि किसान आंदोलन वाली जगहों पर कोरोना टेस्टिंग की बात पर सत्येंद्र जैन ने कहा कि किसान दिल्ली के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। यह आंदोलन दिल्ली के अंदर नहीं है। इसलिए दिल्ली सरकार की तरफ से वहां कोरोना टेस्ट नहीं किया जा रहा है।

डॉक्टर्स ने किसानों के लिए लगाए मेडिकल कैम्प, मदद की अपील

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । सिंधु बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर समेत दिल्ली के पांच बॉर्डर इलाके में कृषि कानून के विरोध में पंजाब एवं हरियाणा से आए किसानों को मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रोग्रेसिव मेडिकल एंड साइंटिस्ट्स फोरम ने एक हेल्थ कैंप लगाया है। फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरजीत सिंह भट्टी ने बताया कि कृषि कानून के विरोध में पंजाब और हरियाणा से बड़ी संख्या में किसान दिल्ली का दरवाजा खटखटाने के लिए सिंधु बॉर्डर पर पहुंचे हैं। उन्हें दिल्ली में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। इन किसानों को समर्थन देते हुए पीएमएसएफ ने सिंधु बॉर्डर पर उनकी मदद के लिए एक हेल्थ कैंप लगाया है। यहां पर बड़ी संख्या में किसान धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस कैंप में पुलिस की कार्यवाही से घायल हुए किसानों की मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मंगलवार

को यह कैंप टिकरी बॉर्डर पर लगाया गया। डॉ. भट्टी ने बताया कि किसानों का धरनाप्रदर्शन जब तक चलेगा, तब तक उन्हें पीएमएसएफ की तरफ से मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रहेंगी। उन्होंने दिल्ली के विभिन्न वर्गों से किसानों की मदद की अपील की है। डॉ. भट्टी ने बताया कि दिल्ली में प्रवेश करने के पांच बॉर्डर एरिया हैं। इन सभी जगहों पर हरियाणा और पंजाब से आकर किसान तीन कृषि कानूनों के विरोध में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। कृषि कारणों को लेकर सरकार का दावा है कि वह किसानों के हित में है, जबकि किसान ऐसा नहीं सोचते। कृषि कानून को लेकर किसानों के मन में कुछ आशंकाएं हैं, जिसको लेकर वो दिल्ली तक आए हैं। पीएमएसएफ देश के किसानों को उनके आंदोलन में अपना समर्थन दे रहा है। फोरम के सभी डॉक्टर्स ने यह फैसला किया है जितने भी बॉर्डर एरिया में प्रोटेस्ट साइट्स हैं।

दिल्ली किसी को भूखा नहीं सोने देगीः सुशील गुप्ता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । आम आदमी पार्टी के सांसद व हरियाणा के सहप्रभारी डा. सुशील गुप्ता आज दूसरे दिन भी हरियाणा के टिकरी बॉर्डर पर किसान आंदोलन में शामिल हो उनका हौसला बढाया। सुशील गुप्ता ने वहां बैठे किसानों से व्यक्तिगतौर पर मिले और उन्हें खाने का सामान भी मुहैया करवाया।

इस दौरान उन्होंने किसानों को बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को कह दिया है कि दिल्ली में कोई भी किसान भूखा नहीं सोएगा। उसके लिए खाने का पूरा इंतजाम दिल्ली की तरफ से किया जा रहा है। सांसद सुशील गुप्ता सुबह करीब 12 बजे टिकरी बॉर्डर पर भारी संख्या में बैठे किसानों के बीच मोटर साइकिल से पहुंचें। क्योंकि बॉर्डर पर किसी भी गाडी को आने जाने की अनुमति नहीं थी। ऐसी स्थिति में पार्टी के एक कार्यकर्ता की मोटर साइकिल पर सांसद सुशील गुप्ता आंदोलनकारियों के बीच शामिल हुए। यहीं नहीं वह खूद पैदल चलकर बॉर्डर पर किसानों के टैंटों में गए ओर उनका हालचाल भी पूछा। सुशील गुप्ता ने कहा कि अगर हरियाणा और पंजाब सरकार पहले ही किसानों से बातचीत कर लेती तो आज ऐसी स्थिति पैदा ही नहीं होती।

वहीं केन्द्र में बैठी भाजपा सरकार कड़ाके की ठंड में देश के कोनेकोने से आकर दिल्ली बॉर्डर पर बैठे हजारों किसानों से इन काले कानूनों के मुद्दे पर बात करने को तैयार नहीं है। वह उनको बातचीत के लिए बुलाते है, मगर फामूला नहीं बताते। सुशील गुप्ता ने कहा कि वह भी एक किसान के बेटे रहें है। आज पूरे देश का किसान अपने घरों, गांवो और खेतों को छोड़कर दिल्ली कूच कर रहा है।

दिल्ली के पार्कों में उपलब्ध होंगे डेयरी प्रोडक्ट, 100 पार्कों में लगेगा कियोस्क

नई दिल्ली। एसडीएमसी ने पार्क में डेयरी प्रोडक्ट उपलब्ध कराने के लिए कियोस्क लगाने की नीति बनाई है। इस नीति के तहत एसडीएमसी द्वारा चिन्हित किए गए 100 पार्कों में कियोस्क लगाए जाएंगे। ऐसा कोरोना को देखते हुए किया जा रहा है ताकि लोगों को भीड़भाड़ वाले बाजारों में जाने की जरूरत नहीं पड़े। पार्कों में सैर और व्यायाम करने के लिए आए लोग यहीं पर अपनी जरूरत का सामान खरीद सकेंगे। इस बारे में एसडीएमसी के सदन नेता नरेंद्र चावला ने बताया कि ये कियोस्क 122 स्क्वायर फुट के होंगे, जिनसे लोग दूध, दही, ब्रेड, फल और सब्जियां आदि खरीद सकेंगे। ये कियोस्क निर्धारित समय के लिए ही खुलेंगे। जिसमें सुबह और शाम का समय निर्धारित किया गया है। यह कियोस्क खुलने से पार्कों में आए लोगों को सुविधा मिलने के साथसाथ लोगों को रोजगार भी मिल सकेगा।

आतंकवाद को वैश्विक प्रयासों से ही हराया जा सकताः भारत

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में आतंक के खतरे की तुलना विश्वयुद्ध से करते हुए कहा कि आतंकवाद वैश्विक रूप ले चुका है और इसे वैश्विक प्रयासों से ही हराया जा सकता है। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत की 75वीं वर्षगांठ पर युद्ध के सभी पीड़ितों की स्मृति में विशेष बैठक में भारत के संयुक्त राष्ट्र में प्रथम सचिव आशीष शर्मा ने कहा कि आतंकवाद समकालीन दुनिया में युद्ध छेड़ने का साधन बन गया है। यह दो विश्व युद्धों की तरह दुनिया को नरसंहार में डूबो सकता है। आतंकवाद एक वैश्विक समस्या है और इसे केवल वैश्विक कार्रवाई से ही हराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 75वीं वर्षगांठ की स्मृति हमें संयुक्त राष्ट्र के सबसे मौलिक सिद्धांत और उद्देश्य याद कराती है कि हम आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाएं। प्रथम सचिव ने कहा कि

विश्वयुद्ध के बारे में उपन्यास, इतिहास की किताबों और फिल्मों में यूरोप के युद्धक्षेत्रों को ही स्थान दिया गया है, लेकिन ज्यादातर युद्ध औपनिवेशिक ताकतों के बीच उप निवेशों में सत्ता हासिल करने के लिए लड़े गए। इसमें उत्तरी अफ्रीका से लेकर पूर्वी एशिया तक की सीमाएं थीं। द्वितीय विश्व युद्ध में भारत के योगदान को याद दिलाते हुए आशीष ने कहा कि औपनिवेशिक अधीनता के बावजूद भारत ने 25 लाख सैनिकों का योगदान दिया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों ने उत्तरी अफ्रीका से यूरोप तक और हांगकांग के रूप में पूर्व में संघर्ष किया। इसमें 87,000 भारतीय मारे गए या लापता हो गए और सैकड़ों हजारों घायल हुए। इस दौरान भारत ने रूस की 75वीं वर्षगांठ समारोह के उपलक्ष्य में मास्को में 24 जून को रेड स्क्वायर पर विजय दिवस परेड की मेजबानी करने के लिए रूस का आभार प्रगट किया। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि उस मौके पर हमारे रक्षा मंत्री मौजूद थे।

एनसीवेब में पांच कटऑफ के बाद भी सीटें खाली

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध नॉन कॉलेजिएट वुमन एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 5 कटऑफ जारी होने के बाद भी कई सीटें खाली हैं। एनसीवेब के कई केंद्रों में सामान्य वर्ग से लेकर एससी, एसटी व ओबीसी श्रेणी की छात्राओं की सीटें खाली पड़ी हैं। इन सीटों को भरने के लिए शिक्षक संगठन डीटीए ने विशेष अभियान चलाने की मांग की है।

बता दें डीयू के विभिन्न कॉलेजों में एनसीवेब के 26 केंद्र संचालित हो रहे हैं। इनमें प्रत्येक वर्ष बीए प्रोग्राम और बीकॉम प्रोग्राम में दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इस वर्ष ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू होने के बाद इन सभी केंद्रों में सीटों में इजाफा हुआ है। ऐसे में दाखिले के लिए 5 कटऑफ जारी होने के बाद भी कई सीटें खाली रह गई हैं। आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (डीटीए) व अरबिंदो कॉलेज के सेंटर प्रभारी ने हंसराज सुमन ने एनसीवेब की निदेशक डॉ. गीता भट्ट व उपनिदेशक डॉ. उमाशंकर से दाखिले के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की है। प्रो. सुमन ने बताया कि अभी भी कुछ केंद्रों में सामान्य वर्गों की सीटें खाली हैं क्योंकि कॉलेजों ने इन्हें भरने के लिए अंकों की छूट कम दी थी। प्रोफेसर सुमन ने बताया कि एनसीवेब में प्रति वर्ष 12 हजार छात्राएं प्रवेश लेती थीं।

पहले प्रत्येक सेंटर पर 426 छात्राओं के लिए बीए प्रोग्राम व बी कॉम प्रोग्राम में सीटें थीं जो ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू होने के बाद इस साल बढ़कर 586 हो गई हैं।

एनजीटी ने पटाखों की बिक्री, इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध का निर्देश दिया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कोविड19 महामारी के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के उन सभी शहरों व कस्बों में हर तरह के पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध का निर्देश दिया है, जहां वायु गुणवत्ता 'खराब' या उससे ऊपर की श्रेणी में है।

एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कहा कि उन शहरों व कस्बों में हरित पटाखों के अधिकतम दो घंटे के इस्तेमाल की छूट संबंधी उसका निर्देश जारी रहेगा, जहां वायु वायु गुणवत्ता 'मध्यम' या उससे नीचे की श्रेणी में हो। पीठ ने कहा, 'कोविड19 महामारी के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) समेत देश के उन सभी शहरों व कस्बों में हर तरह के पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध का निर्देश दिया है, जहां वायु गुणवत्ता की श्रेणी 'खराब' या उससे ऊपर की श्रेणी में है।' एनजीटी ने कहा कि क्रिसमस और नववर्ष के दौरान उन जगहों पर रात 11 बजकर 55 मिनट से साढ़े बारह बजे तक हरित पटाखों के इस्तेमाल की इजाजत होगी, जहां वायु गुणवत्ता 'मध्यम' या उससे निचली श्रेणी में है।

एनजीटी ने सभी जिलाधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री न हो और उल्लंघनकर्ताओं से जुर्माना वसूलने को भी कहा है। अधिकरण ने कहा कि अन्य उपायों को छोड़कर, प्रदूषण का शिकार कोई भी पीड़ित मुआवजे के लिये जिलाधिकारी से संपर्क कर सकता है।

निगम मुख्यालय के 250 सुरक्षा गार्डों को बाटा गया मास्क एवं सेनिटाइजर

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (वेबवार्ता)। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर तथा मीडिया कर्मियों दुवारा आज निगम मुख्यालय सिविक सेंटर के करीब ढाई सौ सुरक्षा गार्डों को सेनिटाइजर और मास्क बाटा गया। इस अवसर पर महापौर जय प्रकाश, प्रेस सूचना निदेशक योगेंद्र सिंह मान सामाजिक पत्रकार इमतियाज अहमद, सामाजिक कार्यकर्ता शमीम खान मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस दौरान महापौर जय प्रकाश ने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम दुवारा संचालित मास्क बैंक में हर वर्ग के लोग बढ़चढ़ कर अपना योगदान दे रहे हैं और उत्तरी निगम के इस प्रयास से आज अधिकतर लोग मास्क का फायदा उठा रहे हैं और कोरोना को रोकने में सहयोग कर रहे हैं और इसी क्रम में सामाजिक पत्रकार इमतियाज अहमद द्वारा सेनिटाइजर की व्यवस्था कर सिविक सेंटर के सुरक्षा गार्डों को बंटवाया गए।

उन्हें कहा की देश के चैथे स्तंभ मीडिया के अन्य सभी साथियों का मैं स्वागत करता हूँ साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता शमीम खान द्वारा मास्क की व्यवस्था करने की भी उन्होंने सरहाना की। वहीं इस दौरान योगेंद्र सिंह मान ने कहा कि इस कोरोना महामारी के दौरान समाज में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए समाज के अन्य वर्गों को भी सहयोग करना चाहिए। इस क्रम में पत्रकारिता वर्ग के जुड़ने का स्वागत करते हैं, इस मौके पर हीरेन्द्र सिंह राठौर, संदीप शर्मा, अनूप शर्मा, संजय वर्मा, सचिन चोपड़ा, जाहिद, मो. कामिल सहित अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

73वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 5 से, वचुर्अल होगा 'महाकुंभ'

देश एवं विदेश की विविधता से परिपूर्ण संस्कृति एवं संप्रभुता की बहुरंगी छठा देखने को मिलेगी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर । 72 वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 73वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 5 दिसम्बर से शुरू हो रहा है। इस वर्ष कोविद महामारी के चलते वर्चुअल रुप में समागम आयोजित किया जायेगा।

इसका शुभारंभ शनिवार 5 दिसंबर को होने जा रहा है। देश एवं विदेश की विविधता से परिपूर्ण संस्कृति एवं संप्रभुता की बहुरंगी छठा इस वर्चुअल संत समागम में देखने को मिलेगी।

वार्षिक निरंकारी संत समागम की तैयारियां पूर्ण समर्पण भाव एवं सजगता के साथ, सरकार द्वारा जारी किए गये दिशा निर्देशों (जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं) को ध्यान में रखकर ही की गई है। समागम में सम्मिलित प्रतिभागियों द्वारा थर्मल स्क्रीनिंग, मास्क, सेनेटाइजेशन एवं सोशल डिसटेंनसिंग (दो गज़ दूरी, मास्क है ज़रूरी) के नियमों का पूर्ण रूप से पालन किया गया।

इस वर्ष मुख्य विषय स्थिरता' पर आधारित गीत, विचार, कविताओं को प्रस्तुत किया जायेगा। जिसकी रिकार्डिंग कुछ टीम के सदस्यों को

दिल्ली में बुलाकर की गई। इसके अतिरिक्त देशविदेशों से पूर्व रिकार्ड किए गये कार्यक्रमों को भी संयोजित किया गया। इसका प्रसारण वर्चुअल रूप में होगा।

यद्यपि यह समागम वर्चुअल रूप में है, फिर भी इसे सजीव रूप देने के लिए मिशन द्वारा दिनरात अनथक प्रयास किये गये ताकि जब इसका प्रसारण किया जाये तो भक्तों को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रत्यक्ष समागम जैसी ही अनुभूति प्राप्त हो और यह सब सदुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के दिव्य मार्गदर्शन द्वारा ही संभव हो पाया है।

समागम का प्रारंभ 5 दिसम्बर को सायः 4.30 बजे होगा, जिसमें सदुरु माता सुदीक्षा महाराज मानवता के नाम संदेश' प्रेषित करेंगे। रात्रि 8.30 से 9.00 बजे तक सदुरु माता सुदीक्षा जी अपने दिव्य प्रवचनों द्वारा आशीर्वाद प्रदान करेंगे। समागम के दूसरे दिन 6 दिसम्बर को दोपहर 1.00 बजे से 3.00 बजे तक

स्थिरता पर आधारित गीत, विचार, कविताओं को प्रस्तुत किया जायेगा

सेवादल रैली, एक मुख्य आकर्षण के रूप में मिशन की वेबसाईट पर आयोजित की जायेगी। इसके अतिरिक्त संस्कार टी.वी. चैनल पर भी दोपहर 1.00 से 3.00 बजे तक प्रसारित की जायेगी।

इस रैली में भारतवर्ष तथा दूर देशों से सेवादल के भाईबहन शारिरिक व्यायाम, खेलकूद, विभिन्न करतब तथा मिशन की सिखलाई पर आधारित लघुनाटिकाओं को कार्यक्रम के रूप में दर्शायेंगे। इसी दिन सायं 4.30 बजे से सत्संग कार्यक्रम आयोजित होगा और रात्रि 8.30 से 9.00 बजे तक सदुरु माता सुदीक्षा जी अपने दिव्य प्रवचनों द्वारा समस्त संतों को आशीर्वाद प्रदान करेंगे।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

HELPLINE

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल

समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

अधिक उम्र होने के चलते दाखिल नहीं देने पर सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। अधिक उम्र होने और ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कराने के चलते सरकारी स्कूल में दाखिला नहीं दिए जाने के मामले को उच्च न्यायालय ने गंभीरता से लिया है। इस मामले में न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। न्यायालय ने छात्र की ओर से दाखिले की मांग को लेकर दायर याचिका पर विचार करते हुए यह आदेश दिया है। जस्टिस जयंत नाथ ने सरकार को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई 22 जनवरी से पहले जवाब दाखिल करने को कहा है। उन्होंने अधिवक्ता अशोक अग्रवाल और उत्कर्ष के माध्यम से 11वीं कक्षा में दाखिले की मांग कर रहे छात्र कुलदीप की याचिका पर यह आदेश दिया है। याचिका में छात्र ने समलखा स्थित राजकीय बाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दाखिले की मांग की है। अधिवक्ता अग्रवाल ने पीठ को बताया कि स्कूल ने अधिक उम्र होने और ऑनलाइन पंजीकरण नहीं होने के चलते दाखिला देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि छात्र का उम्र अधिक नहीं है, बल्कि गलती से दस्तावेजों में गलत उम्र दर्ज हो गया। याचिका में कहा गया है कि यदि सरकारी स्कूल इन छोटीछोटी कमियों के आधार पर दाखिला नहीं देगा तो समाज के कमजोर तबके का छात्र कहां जाएगा।

फर्जी कागजात बना प्लॉट बेचने वाले दो पूर्व डीडीए कर्मचारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। आर्थिक अपराध शाखा ने फर्जी कागजात बनाकर डीडीए प्लॉट बेचने के मामले में प्राधिकरण के दो पूर्व कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इन पर दिल्ली पुलिस के विभिन्न थानों में 13 ठगी के मामले दर्ज हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त ओपी मिश्रा ने बताया कि पीड़ित आशीष शर्मा की शिकायत पर 2013 में एफआईआर दर्ज की गई थी। आशीष शर्मा ने बताया कि डीडीए के सहायक निदेशक पीएस शर्मा ने दावा किया था कि कृष्णा नगर में प्राधिकरण 250 वर्ग गज जमीन बेच रहा है। यह जमीन 22 लाख रुपये की है लेकिन कुछ अतिरिक्त खर्च करने पर डीडीए के अन्य अधिकारियों आरपी चैहान और शैलेंद्र भाटिया के साथ मिलकर वह आवंटित करा देगा। आरोपी ने 1.90 करोड़ रुपये लेकर प्लॉट का आवंटन पत्र थमा दिया पर बाद में मालूम हुआ कि आवंटन तो फर्जी है। आशीष ने जब रुपये वापस करने का दबाव बनाया तो आरोपियों ने बैंक चेक भी दिए। लेकिन दोनों चेक बाउंस हो गए। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने आरोपी 68 साल के पीएस शर्मा और 72 साल के आरपी चैहान को मंगलवार को गिरफ्तार किया। जांच में मालूम हुआ कि पीएस शर्मा डीडीए में बतौर माली काम करता था लेकिन बाद में बर्खास्त कर दिया गया था। वहीं आरपी चैहान क्लर्क के तौर पर कार्यरत था लेकिन 1999 में निलंबित कर दिया गया था। पीएस शर्मा खुद को अधिकारी बताकर शिकार को फंसाता था और फर्जी कागजात बनाता था।

किसानों की सभी मांगे मानी जाएं, एमएसपी की गारंटी को कानून में डाला जाए

तीनों कृषि कानून लागू करने या न करने का अधिकार राज्य सरकारों के पास नहीं

नई दिल्ली, 02 दिसंबर। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि तीनों काले कानून केंद्र सरकार के हैं। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होते ही ये काले कानून पूरे देश में लागू हो गए। इन बिलों को लागू करने या न करने का अधिकार राज्य सरकारों के पास नहीं है। अगर ये तीनों काले कानून राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में होते, तो देश भर के किसान अपने अपने मुख्यमंत्रियों से मांग करते। चूंकि ये काले कानून केंद्र सरकार के हैं, इसलिए राज्य सरकारें इसे रोक नहीं सकती हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब से मैंने दिल्ली के 9 स्टेडियम को जेल बनाने से रोका है, तब से केंद्र की भाजपा सरकार मुझसे ज्यादा नाराज है, दिल्ली आने पर किसानों को इन स्टेडियमों में डालने की योजना थी। उन्होंने कहा कि कैप्टन अमरिंदर किसके दबाव में मुझ पर झूठे आरोप लगा रहे हैं? वे बीजेपी की बोली बोल रहे हैं, क्योंकि उनके परिवार पर ईडी के केस चल रहे हैं। कैप्टन अमरिंदर इन काले कानूनों को बनाने के लिए गठित कमेटी में शामिल थे, लेकिन उन्होंने इसका विरोध नहीं किया। मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि किसानों की सभी मांगे मानी जाएं और एमएसपी की गारंटी को कानून में डाला जाए।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि आज पूरा देश देख रहा है कि हमारे देश का किसान कड़ी ठंड की रात में आसमान

के नीचे सो रहा है। यह सोच कर सारी रात नींद नहीं आती है। आज कोई भी देशभक्त यह देखकर चैन की नींद नहीं सो सकता है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ हमारे किसान भाइयों की नहीं है, बल्कि हम सब की लड़ाई है। जरा सोचिए, जो दो वक्त की रोटी हम खाते हैं, वह हमारे किसान भाइयों की मेहनत की उगाई हुई होती है। हम सब को इस लड़ाई में अपने किसान भाइयों का साथ देना है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कल पंजाब के मुख्यमंत्री ने मुझ पर आरोप लगाए कि दिल्ली में मैंने यह काले कानून पास कर दिए। इस नाजुक मौके पर भी इस तरह की गिरी हुई राजनीति कैप्टन साहब कैसे कर सकते हैं? ये तो तीनों केंद्र के कानून हैं। जिस दिन राष्ट्रपति के इन कानूनों पर दस्तखत हुए थे, उसी दिन यह कानून पूरे देश में लागू हो गए। अब यह किसी राज्य सरकार के ऊपर नहीं है कि वो इन्हें लागू करेगी या नहीं। अगर राज्य सरकारों पर होता, तो देश भर से किसान केंद्र सरकार से बात करने के लिए दिल्ली क्यों आते? वो अपनेअपने राज्य के मुख्यमंत्रियों से मांग करते। यह कानून केंद्र सरकार लाई है और कोई भी राज्य सरकार इन कानूनों को न रोक सकती है और न पास कर सकती है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब सवाल यह है कि जब कैप्टन साहब को यह बात पता है, तो फिर उन्होंने मुझ पर ये झूठे आरोप क्यों लगाए? इसका एक बहुत बड़ा कारण है। जबसे मैंने दिल्ली के 9 स्टेडियम को जेल बनाने से रोका है, तब से केंद्र की भाजपा सरकार मुझसे बहुत ज्यादा नाराज है। केंद्र सरकार का पूरा प्लान था कि जब किसान दिल्ली आएंगे, तो उन्हें इन 9 स्टेडियम में डाल देंगे। तो वो लोग अब मुझसे बहुत नाराज हैं। मुझे पता है कि स्टेडीयम को जेल बनाने के लिए मुझ पर काफी दबाव आया था। किसकिस के फोन नहीं आए थे, जब आप अपने जमीर की सुनते हो, नतीजे की परवाह नहीं करते हो। कैप्टन साहब, आज आपके ऊपर किसका दबाव है, जो आप मुझ पर यह झूठे आरोप लगा रहे हो, मुझे गालियां दे रहे हो? बीजेपी की बोली बोल रहे हो? बीजेपी के साथ यह दोस्ती निभा रहे हो या कोई दबाव है? क्योंकि आजकल आपके परिवार पर ईडी के केस चल रहे हैं और आजकल ईडी के नोटिस भी आ रहे हैं? सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कैप्टन साहब के पास यह बिल रोकने के कई मौके आए थे। पंजाब के लोग पूछ रहे हैं कि तब कैप्टन साहब ने इन बिलों को क्यों नहीं रोका? आज से डेढ़ साल पहले, 2019 में केंद्र सरकार ने यह तीनों काले कानून बनाने के लिए एक कमेटी बनाई थी।

अपने प्रदर्शन का मंच देश विरोधी तत्वों को इस्तेमाल न करने दें किसानः मनोज तिवारी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी ने केंद्र के तीन कृषि सुधार कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे किसानों से अपील की है कि वे अपने प्रदर्शन का मंच देशविरोधी तत्वों को इस्तेमाल न करने दें। उन्होंने कहा कि कुछ मुट्ठीभर लोग किसान आंदोलन के जरिए 'शाहीनबाग' का प्रयोग दुहराना चाहते हैं। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि किसानों के प्रदर्शन में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकी के बीच आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और शाहीनबाग की 'दादी' जैसे लोगों का शामिल होना इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं।

उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा कि इस प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी का शामिल होना केजरीवाल और उनकी सरकार का दोहरा चरित्र उजागर करता है। सांसद तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार का कृषि सुधार कानून किसानों एवं व्यापारियों के बीच बिचैलियों को

हटाने का एक प्रयास है। इससे आने वाले दिनों में किसानों को कई प्रकार के लाभ प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अपना काम कर रही है। सीमा पर जवान और खेतखलिहान में किसान देश की एकता एवं अखंडता की रीढ़ हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश का किसान इस हकीकत को समझेगा और इन टुकड़ेटुकड़े गैंग के मंसूबों को नाकाम करेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसम्बर में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध में कुछ मुट्ठीभर लोगों ने दिल्ली के शाहीनबाग में केंद्र सरकार के खिलाफ तीन महीने से अधिक समय तक प्रदर्शन किया था। इसी बीच मार्च, 2020 में कोरोना महामारी की रोकथाम को लेकर लागू किए गए एहतियाती प्रोटोकॉल के बाद पुलिस ने प्रदर्शन स्थल शाहीनबाग को खाली करवाया था।

हरियाणा में नए शैक्षणिक सत्र के स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल होगा योग

चंडीगढ़। हरियाणा में आगामी नए शैक्षणिक सत्र2021 में स्कूल पाठ्यक्रम में योग को शामिल किया जाएगा। योग को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य होगा। यह फैसला मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में आयोजित हरियाणा योग परिषद की बैठक में लिया गया। बैठक में योग और आयुर्वेद के हरियाणा ब्रांड एंबेसडर योग गुरु स्वामी रामदेव ने भी हिस्सा लिया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वास्थ्य और गृह मंत्री अनिल विज और योग गुरु बाबा रामदेव के साथ स्मारिका और हरियाणा योग परिषद की एक पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य योग को जमीनी स्तर पर ले जाना और लोगों को योग को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके लिए योग और व्यायामशालाओं के अलावा ग्रामीण स्तर पर पर्याप्त बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जा रहा है।

किसान प्रदर्शनः दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बंदोबस्त और कड़े किए गए

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों की दिल्ली से लगी सीमाओं पर बढ़ती संख्या को देख बुधवार को पुलिस ने सुरक्षा और कड़ी कर दी। दिल्ली के उत्तर प्रदेश से लगने वाले गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शन तेज हो गया है, जिससे राज्य को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने वाला एक प्रमुख मार्ग बंद है। यातायात पुलिस ने ट्वीट किया, ''गौतम बुद्ध नगर के पास किसानों के प्रदर्शन के कारण 'नोएडा लिंक रोड' पर चिल्ला बॉर्डर बंद है। लोगों को नोएडा जाने के लिए 'नोएडा लिंक रोड' की बजाय एनएच24 और डीएनडी का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया जाता है।'' फिरोजाबाद, मेरठ, नोएडा और एटा से लगातार आ रहे किसानों के कारण अधिकारियों को लगातार दूसरे दिन चिल्ला बॉर्डर बंद रखना पड़ा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के अनेक किसान दिल्लीनोएडा बॉर्डर पर मौजूद हैं और केन्द्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे

पंजाब तथा हरियाणा के किसानों का साथ देने के लिए दिल्ली जाना चाहते हैं। प्रदर्शन कर रहे किसान राम किशन ने कहा, ''फिरोजाबाद, मेरठ, नोएडा और एटा सहित कई जिलों से और किसान चिल्ला बॉर्डर की ओर आ रहे हैं। हमारी मांगे पूरी होने तक हम यहां से नहीं जाएंगे। गाजीपुर बॉर्डर पर मौजूद एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि यहां होने से उन्हें घर पर खेती से जुड़े कार्यों को लेकर काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है, इसके बावजूद वह पीछे नहीं हटेंगे। मुजफ्फरनगर भारतीय किसान यूनियन के सदस्य सोनू ने कहा, ''इस समय हम गन्ने की खेती करते हैं, लेकिन यह जरूर है। सरकार के हमारी मांगे पूरी करने तक हम प्रदर्शन जारी रखेंगे।'' प्रमुख प्रदर्शन स्थलों में से एक सिंघु बॉर्डर पर भी और किसानों ने इकट्ठा होना शुरू कर दिया है। किसानों के प्रदर्शन के जारी होने के मद्देनजर दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बल की भारी तैनात रही और कंक्रीट के अवरोधक अब भी वहां है। पुलिस के अनुसार किसानों के 'दिल्ली चलो' प्रदर्शन मार्च के मद्देनजर एहतियाती तौर पर दिल्ली के सीमा बिंदुओं पर वाहनों की तलाशी बढ़ा दी गई है।

न्यायालय ने हाथरस पीड़िता की तस्वीर छापने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने मीडिया में हाथरस पीड़िता की तस्वीर प्रकाशित किए जाने को लेकर सवाल उठाने वाली एक याचिका पर सुनवाई करने से बुधवार को यह कहकर इनकार कर दिया कि अदालत इस पर कानून नहीं बना सकती है और याचिकाकर्ता मामले पर सरकार से निवेदन कर सकता है। हाथरस में 14 सितंबर को 19 वर्षीय एक दलित लड़की से चार लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया था। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान 29 सितंबर को लड़की की मौत हो गयी थी। प्रशासन ने लड़की के अभिभावकों की सहमति के बिना ही रात में उसका अंतिम संस्कार कर दिया था जिसकी काफी आलोचना हुई थी। याचिका में यौन उत्पीड़न के मामलों में सुनवाई में होने वाली देरी के मुद्दे भी उठाए गए। याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति एन वी रमन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने की। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस भी शामिल थे। पीठ ने कहा, ''इन मामलों का कानून से कोई लेना देना नहीं है।'' पीठ ने कहा, ''यहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है। इसके लिए समुचित कानून हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी घटनाएं होती हैं।'' शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि हम कानून पर कानून नहीं बना सकते । न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता इस संबंध में सरकार से निवेदन कर सकता है। शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को कहा था कि हाथरस मामले में सीबीआई जांच की निगरानी इलाहाबाद उच्च न्यायालय करेगा और सीआरपीएफ पीड़िता के परिवार और गवाहों को सुरक्षा मुहैया कराएगा। न्यायालय ने अक्टूबर में कुछ याचिकाओं पर फैसला सुनाया था।

सुकून के पल शिल्पा पटल पर शानदार काव्यगोष्ठी का आयोजन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । कवि सम्मेलन कवियत्री शिल्पा जैन के संयोजन में उनके ऑफिशियल पेज सुकून के पल शिजल्पा पर आयोजित किया गया।जिसका संचालन डॉ. ज्योति उपाध्याय ने किया। इसमें देश के विभिन्न शहरों से कवि कवियत्रियों ने अपना सहयोग दिया। लेखक, कवि, चित्रकार, पत्रकार संजय गिरी दिल्ली, कवि लेखक सोहन लाल शर्मा भरतपुर (राजस्थान), कवियत्री प्रिया श्रीवास्तव (उरई) उत्तरप्रदेश, कवियत्री दीपा गुप्ता(दिल्ली), डॉ. ज्योति उपाध्याय(गाजियाबाद), कवि अंकुर सक्सेना(शाहदरा दिल्ली) से। सभी ने अपनी शानदार रचनाओं से दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम का संयोजन कवियत्री शिल्पा जैन (चेन्नई) ने किया। गौरव विवेक जी मार्गदर्शक रहे। कवियों द्वारा पढ़ी रचनाएँ एक मुक्तक दो के दस करने

पर भी कुछ, हाथ नहीं लग पाता है। सर्वविदित है सोना चांदी, साथ नहीं जा पाता है। जाते हैं तो कर्म हमारे धर्म हमारे जीवन के, यश अपयश जो खूब कमाया, धरा यही रह जाता है।। सोहन लाल शर्मा प्रेम वतन पर मर मिटेंगे हम कसम ये आज खाते हैं लगा कर जान की बाजी तिरंगा हम उठाते हैं संजय कुमार गिरि दिलो जज्बात से मैं हर किसी से बात करती हूँ अगर जो दिल को भा जाएं तो ही मुलाकात करती हूँ यही पहचान है मेरी यही है सादगी दिल की बयां हर बात को ज्योति सभी हालात करती हूं।

किसान आंदोलन से 50 फीसदी घटी फलों सब्जियों की आवकय दाम बढ़ने के आसार

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (वेबवार्ता)। किसान आंदोलन के चलते देश की राजधानी दिल्ली में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मूकश्मीर से फलों और सब्जियों की आवक घट गई है। फलों और सब्जियों की आवक घटने से दिल्ली एनसीआर समेत उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में भी फलों की कीमतों में तेजी बनी रह सकती है। प्रदर्शनकारियों ने पहले दिल्ली में प्रवेश करने वाले सिर्फ तीन सड़क मार्ग को जाम किया था, लेकिन बुधवार को नोएडा लिंक रोड स्थित चिल्ला बॉर्डर समेत कुछ अन्य मार्गों पर भी जाम शुरू कर दिया गया। सब्जी कारोबारियों ने बताया कि दिवाली के बाद आलू, प्याज समेत तमाम हरी शाकसब्जियों की नई फसलों की आवक उत्तर भारत की मंडियों में बढ़ने लगी थी, लेकिन किसान आंदोलन के चलते एशिया में फलों और सब्जियों की सबसे बड़ी मंडी दिल्ली की आजादपुर मंडी में बीते एक सप्ताह से कई फलों व सब्जियों की आवक 50 फीसदी तक घट गई है। कारोबारियों ने बताया कि रात के समय ट्रक ड्राइवरों को जो भी मार्ग खुला मिलता है, उससे सब्जियों और फलों से लदे ट्रक लेकर दिल्ली के भीतर आ रहे हैं इसलिए एक सप्ताह से उत्तर भारत का मुख्य मार्ग जीडी रोड बंद होने के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में फलों और सब्जियों की आवक हो रही है, लेकिन इसमें कमी जरूर आई है। आजादपुर मंडी चैंबर ऑफ फ्रूट एंड वेजीटेबल्स एसोसिएशन के प्रेसीडेंट एम.आर. कृपलानी ने बताया कि कई फलों व सब्जियों की आवक 50 फीसदी तक घट गई है। उन्होंने बताया कि सब्जियों की कीमतों में अब तक काफी गिरावट आ गई होती, मगर किसान आंदोलन के चलते गिरावट होने के बजाय कई सब्जियों और फलों के दाम बढ़ गए हैं।

हिंदू कॉलेज में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता हेतु वेबिनार

नई दिल्ली। ऑनलाइन कक्षाओं के इस दौर में तनाव लाजिमी है लेकिन अगर हम ऑनलाइन कक्षाओं को गंभीरता से लें तो यह तनाव कम किया जा सकता है। हम जिस तरह कॉलेज में अच्छे कपड़े पहन कर और

नहा कर एक निश्चित जगह पर बैठकर पढ़ते थे वैसे ही घर पर भी कक्षा के समय बाहर जाने के कपड़े पहनकर और नहा कर बैठें तो ऑनलाइन कक्षा का दबाव कम महसूस होगा। हिंदू कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए आयोजित विशेष सत्र में कॉलेज की काउंसलर डॉ वेनिका कृष्णा ने बच्चों से आमनेसामने की बातचीत में आज युवाओं में बढ़ते तनाव तथा उसके समाधान पर बातचीत की। वेनिका ने विद्यार्थियों को एक काउंसलर की भूमिका के बारे में बताया और कहा कि वह किसी भी तरह की मानसिक उलझन को यदि अपने मातापिता या मित्रों से साझा नहीं कर पा रहे हैं तो उनको काउंसलर से बात करनी ही चाहिए।

काउंसलर उनको समस्या के समाधान तक पहुंचने में मदद करेगा साथ ही उनकी बात एवं पहचान भी गुप्त रखी जाएगी। किशोरावस्था के बाद लड़के और लड़कियों के जीवन में उनके निजी संबंधों की भूमिका को लेकर वेनिका जी ने कहा कि संबंध अगर जीवन में जहर घोलने का कार्य कर रहा हो तो उससे अलग हो जाना ही श्रेयस्कर है। आज के समय में तकनीक के प्रसार के साथ साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या पर उन्होंने कहा कि वह कई बार दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर ऐसे मामलों का निपटारा कर चुकी हैं अतः किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में भी वह विद्यार्थियों की मदद करने में सक्षम हैं। वेनिका जी ने काउंसलिंग सेल द्वारा प्रकाशित पत्रिका मनोदृष्टि- ए विजन ऑफ माइंड के बारे में भी बताया और कहा कि विद्यार्थी अपने अंग्रेजी और हिंदी में लिखित लेख पत्रिका में प्रकाशित होने के लिए भेज सकते हैं।

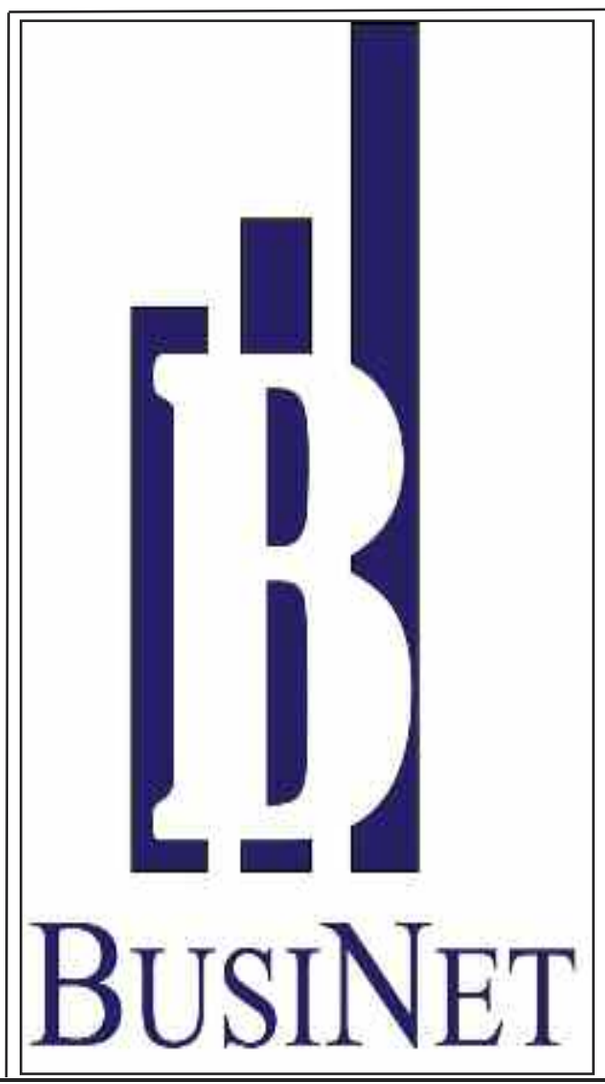

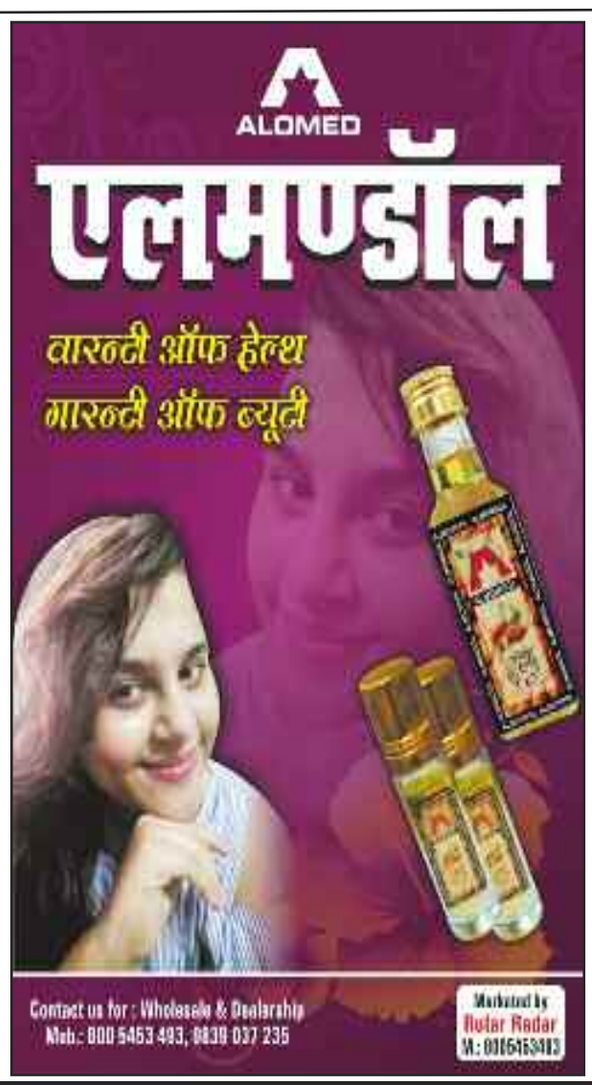

संपादकीय

एक देश एक चुनाव, विचार तो ठीक है पर सदन अवधि से पहले भंग हुआ तो क्या होगा

पिछले हफ्ते संविधानदिवस पर यह मांग फिर उठी है कि भारत में सारे चुनाव एक साथ करवाएं जाएं। याने लोकसभा, विधानसभाओं, नगर निगमों और पंचायतों के चुनाव अलगअलग वक्तों पर न हों और ये सभी चुनाव किसी एक ही निश्चित समय पर करवाएं जाएं। यह मांग भाजपा के 2014 के घोषणापत्र में भी थी लेकिन इसे अभी तक अमल में नहीं लाया गया है। इस मुद्दे पर विचार करने के लिए भाजपा सरकार ने सभी दलों की एक बैठक भी 2014 में बुलाई थी लेकिन लगभग सभी महत्वपूर्ण दलों ने इस बैठक में भाग नहीं लिया। कम्युनिस्ट पार्टी ने भाग लिया लेकिन उसने इस प्रस्ताव का विरोध किया।

देश के पहले चार चुनाव, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव लगभग एक साथ ही हुए लेकिन 1967 के बाद कई प्रांतीय विधानसभाएं अपनी पंचवर्षीय अवधि के पहले ही गिरनेउठने लगीं। सभी लोकसभाएं भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकीं। अब तक की 17 में से 7 लोकसभाएं पांच साल के पहले ही भंग हो गईं। स्थानीय इकाइयों के चुनाव और भी जल्दी तथा बारबार होते ही हैं।

ऐसा लगता है कि भारत की राजनीति में चुनाव ही ब्रह्म है। वही सदा और सर्वत्र बना रहता है। अब चुनाव पांच साल में एक बार नहीं, एक साल में भी एक बार नहीं, बल्कि हर महीनेदो महीने में कहींनकहीं होते ही रहते हैं। इसके नतीजे क्या होते हैं ? पहला, नेता और अफसर अपना समय और शक्ति पूरी तरह शासनप्रशासन में लगाने की बजाय मतदाताओं को पटाने में खपाते रहते हैं। एक चुनाव खत्म होता नहीं कि दूसरा शुरू हो जाता है। अब तो प्रधानमंत्री और कई केंद्रीय मंत्री भी स्थानीय चुनावप्रचार में भी भिड़े रहते हैं। दूसरा, चारपांच तरह के चुनाव जब अलगअलग तारीखों में होते हैं तो उनके आयोजन में अंधाधुंध खर्च होता है। 2019 के अकेले संसदीय चुनाव में लगभग 60 हजार करोड़ रु. खर्च हुए। 34000 करोड़ रु. की शराब, नशीली दवाइयां और अवैध उपहार पकड़े गए। जो नगदी काला धन बहाया गया, उसका तो कोई हिसाब ही नहीं है। यही चुनाव जब बारबार हों, प्रांतों और शहरोंगांवों में भी हों तो कुल खर्च कितना बड़ा हो जाएगा, इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

तीसरा, बारबार होने वाले इन चुनावों के लिए नेताओं को अरबोंखरबों रुपया जमा करना होता है। उम्मीदवारों पर तो खर्च की सीमा लागू होती है लेकिन उनके राजनीतिक दलों को पूरी छूट है। यही भारत में भ्रष्टाचार की जड़ है। चौथा, इन चुनावों में वह चाहे लोकसभा के हों या नगरनिगम के, सभी नेता अपने वोटरों के सामने जातिवाद, सांप्रदायिकता और लालच की चूसनियां लटकाने से बाज़ नहीं आते। याने देश में यदि जल्दीजल्दी चुनावों का सिलसिला चलता रहा तो हमारी जनता का निर्मल और निष्पक्ष विवेक सुरक्षित रखना भी कठिन हो जाएगा, जो कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता का पहला सूत्र है। इसीलिए सारे चुनाव एक साथ करवाए जाएं, इस मांग का समर्थन 1999 से ही चला आ रहा है। हमारे विधि आयोग, चुनाव आयोग और संसद की स्थायी समिति ने भी इसका समर्थन किया है। संविधानदिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मांग को फिर उठाया है। लेकिन जो पार्टियां और लोग इसके विरोधी हैं, उनके तर्क भी कमजोर नहीं हैं। उनका पहला, तर्क तो यही है कि इस पर मोदी इसीलिए जोर दे रहे हैं कि इस समय वे ही देश में एकमात्र बुलंद नेता हैं।

उनकी टक्कर में कोई नहीं है। यदि सभी विधानपालिकाओं के चुनाव एक साथ हों तो भाजपा सारी पार्टियों का सफाया कर देगी और वह पूरे देश में छा जाएगी। लेकिन इसका उल्टा भी हो सकता है। मोदी से भी कहीं ज्यादा बुलंद नेता इंदिरा गांधी थीं या नहीं ? उन्हें भी क्या केंद्र के साथसाथ सभी प्रांतों में कभी एक साथ विजय मिली ?

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

बहुसंख्यकों के हितों की सुरक्षा पर सियासत नहीं चिंतन हो

गैर भाजपाई दलों कांग्रेससपा बसपा को लव जेहाद के खिलाफ योगी सरकार द्वारा बनाया गया धर्मांतरण सबंधी कानून रास नहीं आ रहा है। कांग्रेस ने अधिकृत रूप से कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन पार्टी के तमाम नेता अलगअलग बयानबाजी करके लव जेहाद के खिलाफ योगी सरकार के कानून को गलत ठहराने में लगे हैं। उधर, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी कह रहे हैं कि धर्मांतरण कानून विधेयक विधानसभा में आयेगा तो सपा पूरी तरह विरोध करेगी, क्योंकि सपा ऐसे किसी कानून के पक्ष में नहीं है। वहीं बहुजन समाज पार्टी ने योगी सरकार से इस अध्यादेश पर पुनर्विचार करने की मांग की है। मायावती ने ट्वीट करके कहा कि लव जिहाद को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आपाधापी में लाया गया धर्म परिवर्तन अध्यादेश अनेक आशंकाओं से भरा है,जबकि देश में धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए पहले से ही कई कानून मौजूद हैं। वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम को लगता है कि लव जेहाद के खिलाफ योगी सरकार का कानून अदालतों में नहीं टिक पाएगा। क्योंकि कानून में विभिन्न धर्मों के बीच विवाह को अनुमति दी गई है। चिदंबरम को न जानें ऐसा क्यों लगता है कि लव जिहाद पर कानून एक छलावा और बीजेपी की बहुसंख्यकों की राजनीति के एजेंडे का हिस्सा है,वह कहते हैं जबकि भारतीय कानून के तहत विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच विवाह की अनुमति है, यहां तक कि कुछ सरकारों द्वारा इसे प्रोत्साहित भी किया जाता है। तो फिर इसे कोई रोक कैसे सकता है। उन्होंने कहा,'कुछ राज्य सरकारों द्वारा इसके खिलाफ कानून लाने का प्रस्ताव देना असंवैधानिक होगा।' कांग्रेस नेता को लगता है कि जबरन व छल से धर्मांतरण को ना तो खास मान्यता और ना ही स्वीकार्यता है।

वैसे कांग्रेस नेता चिदम्बरम ही नहीं पूरी पार्टी के साथ यही समस्या है कि वह हकीकत जाननेसमझने की कोशिश ही नहीं करती हैं। उसे दलितों के साथ अत्याचार होता है तो दिख जाता है,लेकिन जब बहुसंख्यकों के साथ कुछ गलत होता है तो वह आंखें फेर लेती है। खासकर मामला जब मुसलमानों से जुड़ा हो तो कांग्रेस को बहुसंख्यक समाज की भावनाएं आहत करने में जरा भी संकोच नहीं होता है। इसी लिए तो कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर बनाने, एक बार में तीन तलाश जैसी कुरीति, नागरिकता

संशोधन कानून सबकी मुखालफत करने लगती है। अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने के लिए कांग्रेस भारत की जगह दुश्मन देशों चीन और पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाने से भी संकोच नहीं करते हैं।

खैर, कांग्रेस हो या फिर सपा बसपा सब के सब लव जेहाद के खिलाफ योगी सरकार द्वारा लाए गए कानून में खामियां निकालने में लगे हैं,लेकिन किसी को भी इस बात की चिंता नहीं हैं कि लव जेहाद का शिकार हो रहीं बहुसंख्यक समाज की बेटियों और लव जेहाद में बेटियों के फंस जाने के बाद परिवार वालों को कितना कष्ट और अपमान सहना पड़ता है। 'लव जेहाद' में फंसाकर बहुसंख्यक समाज की बेटियों के साथ कोई छलपूर्वक विवाह कर लेता है तो ऐसे जेहादियों को सजा क्यों नहीं मिलनी चाहिए। आखिर इसमें बुराई क्या है।

लव जेहाद के खिलाफ कानून बनते ही इस जेहाद से पीड़ित कई लड़कियां और उनके परिवार वालों के पुलिस की चैखट (थाना) पर पहुंचने के मामले सामने आने लगे हैं, जो यह साबित करने के लिए काफी है कि लव जेहादियों की जड़ें कितनी गहरी हैं। अध्यादेश के प्रभावी होते ही बरेली जिले के देवरनियां थाना क्षेत्र में इसके तहत पहला मुकदमा दर्ज किया गया जिसमें एक युवक ने शादीशुदा युवती पर धर्म बदलकर निकाह करने के लिए दबाव बनाया और उसके पूरे परिवार को धमकी दी थी। देवरनियां थाने में उवैश अहमद के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और नए अध्यादेश के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक बरेली में शरीफ नगर गांव के रहने वाले एक किसान ने शिकायत दी कि पढ़ाई के दौरान उनकी बेटी से समय गांव के उवैश अहमद पुत्र रफीक अहमद ने उसकी बेटी से जानपहचान कर ली थी। आरोप है कि इसके पश्चात उवैश अहमद उनकी बेटी को बहला फुसलाकर धर्म परविर्तन के लिए दवाब बना रहा है। इसका विरोध करने पर वह उन्हें और परिवार को जान से मारने की धमकी देता है।

उक्त मामले की गूंज थमी भी नहीं थी कि बरेली में ही एक बार फिर लव जेहाद का दूसरा सनसनीखेज मामला सामने आ गया। जहां ताहिर हुसैन नामक शख्स पर आरोप है कि उसने एक हिन्दू युवती का शादी के नाम पर यौन शोषण किया। युवती जब गर्भवती हो गई तो शादी से इंकार करते हुए 'लव जहिाद' की साजिश का खुलासा करते हुए उसके पेट में लात मारकर उसका दो माह का गर्भ गरिा दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को जेल भेज दिया है। पीड़ित युवती का कहना था कि ताहिर ने अपना नाम कुणाल शर्मा बताया था। कुणाल के नाम से ही जालसाज ने अपना एक फर्जी फेसबुक अकाउंट भी बना रखा था, लेकिन बाद में शादी का दबाव बनाते समय उसने अपना नाम ताहिर हुसैन बताया। इसी प्रकार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में लव जिहाद का एक मामला सामने आया है। एक महिला के पति की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ लव जिहाद का मामला दर्ज कर लिया है। मामला अलगअलग संप्रदाय से जुड़ा हुआ हौ पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। निश्चित तौर पर यह कहा जा सकता है कि योगी सरकार ने लव जेहाद के खिलाफ कानून बनाकर बहुसंख्यक समाज को एक बड़ी राहत पहुंचाई है। दरअसल, बहुसंख्यक समाज में लड़कियों के साथ उनके पहनावे को लेकर जोर जबर्दस्ती नहीं की जाती है, उनको पढ़नेलिखने की पूरी छूट दी जाती है। बहुसंख्यक समाज में धर्म की आढ़ में लड़कियों को नकाबपोश रहने को मजबूर नहीं किया जाता है।

अजय कुमार
लखनऊ, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

जो भी अन्न खाते हैं, वो सभी अन्नदाता के साथ हैं

कौन अब कहा किसान से बात करते है,यूं ही साथियों रोज हसीन सपनों की बात करते है ,ध्यान से देखिए आप हम सबका पेट भरने वाले अन्नदाता को आये दिन अपने अधिकारों और हक को हासिल करने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। लेकिन देश की सरकारे अपनी चतुर चाणक्य नीति से हर बार इन किसानों को आश्वासन देकर समझाबुझाकर सबका पेट भरने के उद्देश्य से अन्न उगाने के लिए वापस खेतों में काम करने के लिए भेज देती है। देश में सरकार चाहें कोई भी हो, लेकिन अपने अधिकारों के लिए लंबे समय से संघर्षरत किसानों की झोली हमेशा खाली रह जाती है।

आज अन्नदाता किसानों के हालात बेहद सोचनीय हैं, स्थिति यह हो गयी है कि एक बड़े काश्तकार को भी अपने परिवार के लालनपालन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो स्थिति देशहित में ठीक नहीं हैं, वही जो छोटे और दूसरे खेतों में काम करने वाले अन्नदाता है ,उनकी हालात क्या है यह किसी से छिपी नहीं है किसानों के इस हाल के लिए किसी भी एक राजनैतिक दल की सरकार को ज़िम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। उनकी बदहाली के लिए पिछले 74 सालों में किसानों की वोट से देश में सत्ता सुख का आनंद लेने वाले सभी छोटेबड़े राजनैतिक दल जिम्मेदार हैं। क्योंकि इन सभी की गलत नीतियों के चलते ही आज किसानों की स्थिति यह है कि भलेचंगे मजबूत किसानों को सरकार व सिस्टम ने कमजोर, मजबूर व बीमार बना दिया है।

जिसमें रही सही कसर हाल के वर्षों में सत्ता पर आसीन रही राजनैतिक दलों की सरकारों ने पूरी कर दी है। जिनकी गलत नीतियों व हठधर्मी रवैये ने उन परेशान किसानों को सड़क पर आने के लिए मजबूर कर दिया है।अन्नदाता किसान जहां अब वो कृषि क्षेत्र की लाइलाज हो चुकी बिमारियों के समाधान की उम्मीद में बैठे है। किसानों में बढ़ते आक्रोश के चलते अब देश में स्थिति यह हो गयी है कि किसानों को आए दिन अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के समाधान को लेकर ना चाहकर भी सड़कों पर उतर आने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आज मोदी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वो किसानों की दुश्वारियों को कम करके उनके आर्थिक स्वास्थ्य को जल्द से जल्द ठीक करें। सरकार को समझना होगा भारत एक कृषि प्रधान देश है और हमारा अन्नदाता किसान देश की मजबूत नींव हैं, अगर सरकार किसानों को खुशहाल जीवन जीने का माहौल प्रदान करती है तो देश भी खुशहाल रहेगा, इस वैश्विक महामारी में भी हमारे अन्नदाता दिनरात अपने खेतों में डटे रहें, देखना आप इस गिरती हुई अर्थव्यवस्था को भी पटरी पर हमारे अन्नदाता ही लाएंगे ।

अगर हमारा अन्नदाता इसी तरह से गरीबी, कर्ज, फसल खराब होने पर उचित मुआवजा ना मिलने व फसल के उचित मूल्य ना मिलने से परेशान होकर इसी तरह आत्महत्या करता रहा तो इस स्थिति में देश व देशवासियों का खुशहाल रहना संभव नहीं है। किसानों के हालात में अगर जल्द सुधार नहीं हुआ तो वो दिन दूर नहीं है जब बेहद कठिन परिस्थिति, कड़े परिश्रम और अनिश्चितता से भरे कृषि क्षेत्र में आने वाले समय में खेती के कार्य से लोग बहुत तेजी से पलायन करने लगेंगे। हमारे अन्नदाता किसानों के दर्द को समझने के लिए कृषि क्षेत्र से जुड़े कुछ आंकड़ों पर गौर करें तो समझ आता है कि सरकार की उपेक्षा के शिकार कृषि क्षेत्र से देश की आधी से अधिक श्रमशक्ति 53 प्रतिशत लोग अपनी रोजी रोटी आजीविका चलाते हैं। इन लोगों में वो सब शामिल है जो किसी ना किसी रूप से कृषि क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। वहीं देश के आर्थिक विकास के पैमाने सकल घरेलू उत्पाद की बात करें तो देश की सरकारों के कृषि क्षेत्र के प्रति उदासीन रवैये के चलते उसमें भी कृषि क्षेत्र का योगदान बहुत कम हुआ है। यह वर्ष 19501951 में 54 प्रतिशत था जो अब गिरकर मात्र लगभग 15 प्रतिशत के आसपास रह गया है।

वहीं विगत कुछ वर्षों में हुई किसानों की आत्महत्या पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों की बात करें तो भारत में 1995 से 2014 के बीच किसानों की आत्महत्या का आंकड़ा तीन लाख पार कर चुका था। वहीं पिछले कुछ वर्षों में भारत में किसानों की आत्महत्या के मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है। जो हालात देश के नीतिनिर्माताओं व भाग्यविधाताओं के साथसाथ आमजनमानस के लिए भी बहुत चिंताजनक व सोचनीय हैं। लेकिन आजतक किसी भी सरकार ने किसानों की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार कारकों व हालतों का स्थाई समाधान करने की ठोस कारगर पहल धरातल पर नहीं किए है। इस ज्वंलत समस्या पर सरकार तत्कालिक कदम उठाकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेती है। आजकल तो देश के भाग्यविधाताओं ने किसानों की होने वाली आत्महत्याओं के आंकड़ों को ही छिपाना शुरू कर दिया है। दुर्भाग्य की तो बात यह हैं कि पिछले कई वर्षों से किसानों की आत्महत्या का आंकड़ा आमजनमानस के लिए उपलब्ध नहीं है। लेकिन पिछले वर्षों के औसत के आधार पर कहा जा सकता है कि मौजूदा समय में देश में किसान आत्महत्याओं का यह आंकड़ा लगभग 4 लाख के आसपास पहुंच गया होगा। लेकिन फिर भी देश में किसानों की उपेक्षा लगातार जारी है ,अब देखो जैसे कंपनी वाले अपने प्रोडक्ट पर एमआरपी लिखते हैं और किसान को एमएसपी भी नहीं अब इससे कम पर बेचना अपराध में शामिल करो लिख दो इस बिल में ,आज साथियों पूरा देश अन्नदाता के साथ है ,लेकिन किसान आंदोलन की आड़ में देश विरोधी तत्वों के असली मंसूबे भी हमें जरूर समझना चाहिए। हमारा अन्नदाता ही हम सभी का पालनहार है, वास्तविकता में देखें तो अन्नदाता ही हम सभी का योद्धा है ।

जय किसान

विक्रम क्रांतिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय ।
www.womenexpress.in

नारी, तुम कब पुरुष मन समझोगी ?

हे नारी, तुम्हारे नाम पर तो असंख्य लेखकगणों, कवियों ,समीक्षकों, आलोचकों,प्रशंसकों आदि सभी ने लिख लिखकर अपनी कलम तोड़ी है, लेकिन आज मैं पुरुष की ओर से कुछ लिखना चाहती हूँ,कहना चाहती हूँ।

हे गर्विणी, घमण्डिनी,...जब कोई पुरुष तुम्हें मुख पुस्तिका (फ़ेसबुक) पर मित्रता निवेदन करता है तो तुम उसे प्रणय निवेदन की तरह अस्वीकार क्यों कर देती हो? यद्यपि 100 में से 70 निवेदनों में प्रणय छुपे रूप में निहित होता ही है...फिर भी इन एकांगी, सिंगल पुरुषों का हित न सोच तुम निवेदन अस्वीकार कर स्वयं को हिमालय की चोटी पर पाती हो। हे एटीट्यूड धारिणी, किंचित तुम्हें भान नहीं कि, यदि हमारे देश में लिंगानुपात बराबर होता तो यही पुरुष तुम्हें घास भी नहीं डालते। हे तुनक मिजाज़नी,यदि कोई पुरुष अंजाने भी (ज्यादातर जानबूझकर) तुम्हारे इंबॉक्स में आ जाए, तो तुम ऐसे रिएक्ट क्यों करती हो,जैसे चायना वाले गलवान घाटी में घुस आए हों? क्या तुम्हें पता नही ,मित्रता दृढ़ करने हेतु मधुर संवाद कितना आवश्यक है।

हे स्क्रीन शॉट प्रिये, तुम्हें उन मधुर प्रणय पुकारों का स्क्रीन शॉट लगाते तनिक भी लज्जा नहीं आती? तुम्हें यह भी भान नहीं,कि एक पुरुष कितने पापड़ बेलने के उपरांत,कितने मंत्रोच्चार करने के पश्चात किसी सुंदरी के संवाद बक्से में कदम रखता है?

हे अड़ियल स्वभाविनी,तुम क्यों उसके प्रश्नों यथा...आपने नाश्ता किया? आपने खाना खाया? आपने साँस ली ? आपने दैनिक नित्य कर्म किए ? रात बहुत हो गई है,प्लीज़ सो जाइए, इत्यादि से चिढ़ती हो? तुम्हें

लेशमात्र भी भान नहीं कि यह उसका वह केयरिंग स्वभाव है जिससे स्वयं उसकी पत्नी और घरवाले भी अंजान हैं। अपने घर में किसी को न पूछने वाला , पत्नी को हड़का देने वाला,सिर्फ तुम्हारे संवाद बक्से में आकर पिघल कर मोम हुआ जाता है और तुम पत्थर बनी रहती हो।

हे पाषाणी, तुम क्या जानो,अपनी गरल सखी या पत्नी की आँखों में कितने टन धूल झोंककर वह तुमसे,सिर्फ तुमसे दो प्यार भरी,रसीली बातें करना चाहता है...और तुम इंबॉक्स में आने वाले ब्लॉक किए जाते हैं टाइप पोस्ट ठोंक कर उसके सुलगते अरमानों पर ठंडे पानी का ड्रम उड़ेल देती हो।

हे निर्मम हृदया,,, तुम्हारे इस कठोर व्यवहार से पुरुष का एक्स्ट्रा कोमल हार्ट कितना हर्ट होता है,यह तुम क्या जानो. हे स्वार्थ सिद्धिणी,तुम भी पुरुष की भाँति अपने हृदय के द्वार सबके लिए क्यों नहीं खोल देती...तुम्हारे दर्शन मात्र से यदि किसी का दिन बन जाता है,तो तुम्हें क्या दिक्कत है? हे महानाटक कारिणी ,तुम्हारे इस कठोर व्यवहार से क्षुब्ध होकर ही बेचारे फ़ेसबुकिया(झूठे) एकल पुरुष दर्द भरी ,मारक शायरी इधर उधर से कॉपीपेस्ट करने पर विवश हैं।

हे कठोर शब्द भाषिणी, काश! तुम पुरुष हृदय समझ पातीं, कि वह तुम्हारी लौकीटिंडे जैसी शक्ल पर भी बेचारा लव रिएक्ट कर, नाइस पिक लिखकर तुम्हें प्रभावित करने की जी तोड़ कोशिश करता है ,और तुम उससे ऐसे बचती हो जैसे वह कोरोना पेशेंट हो हे अभिमानिनी, याद रखो, एक दिन आएगा जब वह तुम्हारे संवाद बक्से को खटखटाना बंद कर देगा, तुम्हारी कचरा पोस्टों पर भी जबर्दस्ती दाँत चियारना या लव रिएक्ट करना बंद कर देगा और अपनी वॉल पर अपनी पत्नी के साथ अपनी तस्वीर लगाकर पोस्ट करेगा(बेहद मजबूरी में) और लिखेगा माई वाइफ इज़ माई वर्ल्ड (ऐसा लोग बीवी के तमंचे की नोक पर ही लिखते हैं)

तब तुम्हें पता चलेगा,तुमने क्या खोया है, तब तुम जलोगी और उसकी पोस्ट इग्नोर करने की कोशिश करोगी(पहले भी कौन सा देखती थी) और जल जलकर कोयला हो जाओगी (अभी भी कोयला ही हो,, फिल्टर न हो तो) हे फ़ेसबुक अधीक्षणी,,यही तुम्हारे कर्मों की सज़ा होगी।

श्वेता सक्सेना
जयपुर ।
www.womenexpress.in

शादियों में मेहमानों के साथ कोरोना को आमंत्रण

विवाह अथवा शादी मानव समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण तथा यह समाजशास्त्रीय संस्था है । यह समाज का निर्माण करने वाली सबसे छोटी इकाई परिवार का मूल है। विवाह के समारोह को विवाह उत्सव कहते हैं!

जब बात उत्सव की हो तो इसका अर्थ लोगों के जमावड़े से होता है। वैसे विवाह हम सबके लिए हर्ष उल्लास, नये रिश्तों का बनना और एक दूसरे से मिलने का अवसर और उत्सव होता है। किंतु वर्तमान का समय कोरोना संकट का है, जिससे हमने अभी निजात नहीं पाई है। कोरोना की वजह से देश में संक्रमितों की संख्या पहले से भी तेज बढ़ती जा रही है। बस हमारी सरकार, हमारे रक्षक और हम इस से लड़ना सीख गए हैं। हालांकि कोरोना की रिकवरी रेट भी 94% बढ़ गई है। परंतु इसका अर्थ यह बिल्कुल ही है कि हमको कोरोना को बहुत ही सामान्यता से लें। भारत देश में ही नहीं बल्कि विश्व के हर हिस्से, हर स्थान पर विवाह को बड़ी ही धूमधाम से किया जाता है। लेकिन कोरोना काल में हम विवाह को पहले ही जैसे और बिना सावधानियों के करते हैं, तो यह हम सब के लिए बहुत ही घातक सिद्ध होगा। तथा कोरोना का संक्रमण फैलने का बड़ा स्रोत बन जाएगा। शादी जैसे उत्सव पर लोगों द्वारा कई प्रकार की लापरवाही बरती जाती हैं, जैसे विवाह में सभी लोगों का एकत्रित होना । अलगअलग जगहों से आना और आने के दौरान यात्रा में भी संक्रमण का खतरा । खाने पीने, रहनसहन आदि का कोई ख्याल नहीं रखा जाता।

यहां तक की शादी में खाना बनाने वाले हलवाई ,खाना परोसने वाले आदिभी सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं करते। जब विवाह का सीजन आता है,तो बाजारों में भी भीड़ उमड़ने लगती है यह सब लापरवाही कोरोना के संकट

के समय वर्तमान में देखने में आ रही है। विवाह के लिए सरकार द्वारा कुछ नियम बनाए गए हैं जैसेव्यक्तियों की सीमित संख्या, शराब सिगरेट आदि पर पूरी तरह से पाबंदी आदि। किंतु उन नियमों का पालन ठीक तरह से नहीं हो रहा है, जबकि कुछ लोगों द्वारा नियमों को अपनाकर विवाह संपन्न भी हुए हैं । कुछ समझदार लोगों ने अपने विवाह रद्द भी किया है। किंतु कुछ लोगों की नासमझी के कारण उनके द्वारा बरती जाने वाली लापरवाही भी सामने आ रही हैं, जैसे लोग विवाह में अब मास्क का प्रयोग नहीं करते, सैनिटाइजर का उपयोग कम करने लगे हैं और सोशल डिस्टेंस तो भूल ही गए हैं। दुकानों पर भीड़ विवाह संबंधी सामग्री खरीदने के लिए भीड़ लगने लगी है । यात्रा के दौरान एक स्थान से दूसरे स्थान जाने में संक्रमण का खतरा रहता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह देखने में आ रहा है कि, कुछ अशिक्षित ही नहीं बल्कि शिक्षित भी इस बात को बहुत सामान्यता से ले रहे हैंयहां तक कि कुछ जगहों पर तो विवाह के दौरान यह देखने में आ रहा है कि, लोग पूर्वानुसार ही विवाह को संपन्न किए जा रहे हैं। किसी भी प्रकार की कोई सावधानी नहीं बरत रहे। बाहर से मेहमानों का आना, घर में रहना, शादी की रस्में खानापीना,खरीदारी आदि में किसी भी प्रकार की कोई भी सावधानी नहीं बरती जा रही है। पर सब लोग यह भूल गए हैं कि अभी हमारा वह वक्त निकला भी नहीं है,जहां कैसे हमने अपने ही घरों में बंद रहे। गरीब और मजदूर वर्ग खाने तक के लिए कितना परेशान हुआ। बाहर ककाम करने वाले लोग बाहर नहीं जा पा रहे थे।

अतः सभी को उस वक्त को याद कर कोरोना संक्रमण की गंभीरता को समझते हुए शादी विवाह जैसे हर्षोल्लास के अवसर को कोरोना संक्रमण की वजह ना बनाएं । विवाह आवश्यक है हम सब जानते हैं ,लेकिन हमारे अपनों और दूसरों के लिए यह आवश्यक है कि विवाह को सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के दायरे में रहकर संपन्न कराया जाए ,जिससे हम, हमारा परिवार, हमारा समाज और हमारा देश सुरक्षित रहे।

लक्ष्मी सैनी
अम्बाह, मुरैना (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

व्यवस्था लचर है, बाबा मगन है

भई आजकल कौन नहीं नाम ऊंचा करना चाहता है,इस कलयुग इस दुनिया में विभिन्न उपाय हैं। झाड़ू से कमाल दिखाना तो अपनाअपना तजुर्बा है , कोई घरों में धूलधक्कड़ नाली साफ करता है, तो कोई झाड़ू का इस्तेमाल दिमाग में जमी धूल को हटाने के लिए झाड़ू स्पेशलिस्ट का कार्य करता है अब झाड़ू स्पेशलिस्ट बनना है तो कल ही मुक्त हुए ससुराल से मायके आय बाबा फिर धुनी सुलगाकर कर आसन जमाय लिय हैं आजकल वैसे भी जब तक के सलाखों वाली ससुराल ना हो तब तक के मायके में फेमस फेमसयानी का मजा नहीं मिलता तथा पूरा प्रोटेक्शन भी मिलता है। बाबागिरी की मैदान में उतरना है तो कैंची, चाकू,पाटा, लकड़ी,रंग ,नकली हड्डियां इत्यादि जितना साजो सामान उतना ऊंचा आसन उतनी पलब्लिक सिटी बस कई परेशानी हरण वाले भावुक वाक्य घोर के पी जाओ तेरी परेशानी बढ़ी है! ,तेरे पे किसी का साया है! वो चुडैल की नजर अब भी तेरे परिवार पर ! एक बार बाबा को बकरा मिल जाए तो फिर देखें त्रिपाली झाड़ू का कमाल जो एक बार आए उसकी,समस्या कोसों दूर हो जाए चिंतनीय समाधान बस एक चूर्ण,टिकिया, भस्म से ही है इनके आगे तो अच्छेअच्छे हैं डॉक्टर एम बी. बी. एस ,हार्ट स्पेशलिस्ट भी फेल है! किसी नल से पानी भरते नजर आएंगे। त्रिपाली का आकार किसी मेडिकल कॉलेज के जितना तो नहीं पर ज़ितना भी है भक्तों का रूप तिरपाली मे समा जाता है जाए फिर देखिए चिंता की कोई बात नहीं इंवेस्टमेंट का आकर्षण तो वैसे भी हमारे जुगाड़ू मरीज ही काम आते हैं बिल्कुल पंपलेट की भांति काम आते हैं अरे भोलू कल चूरन वाले बाबा ने तो बहुत ही कमाल कर दिया,दो झाड़ू में राजू का सारा इश्क का भूत उतार दिया ।

वह भेदू है ना ,आजकल बड़ा ही पगलाया घूम रहा है तुम बताओ? तो तिरपली वाले बाबा के पास ले चलें जूता सुघाने वाली वाले बीमारी छूमंतर हो जाय। सुनिये जी मै कल ही गई थी गृह क्लेश निवारण के लिए दो चूरन की पुड़िया दी है ! बाबा ने बस खाने में मिलाकर खा लेने को कहा है सारा ग्रह कलेश दूर हो जाएगा। भई आंखों में बंधी काली पट्टियां मे हम फिर से नतमस्तक हैं आज भी पता नही क्यों ? व्यवस्था बड़ी बयानबाजी में और शीर्षासन त्रिकोणीय सीसीटीवी ही उपाय है।

बाबा त्रिपाली तो एक बहाना है,असल में पर्दे के पीछे से डायरेक्टरी फिल्मांकन सौतन से छुटकारा,रूठा प्रेम, ग्रह कलेश पर झाड़ू मारकर अपना ये, वो धंधा चलाना है । जब सब कहीं हो फेल तो मेरे पास टिकिया इंजेक्शन सभी से मुक्ति बस एक झाड़ू और चूरन फिर इन सब से मुक्ति बाबा मगन है व्यवस्था लचर है।

कुमार प्रिंस रस्तोगी
लखनऊ ,उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

इंसान झूठ से है परेशान..!

गीता कुरान बाइबिल की ज्ञान,
ग्रंथ बहुत पढ़ा मैंने अपने जीवन में।
समझकर ना समझ बन बैठा क्यूँ,
सारी उम्र गवा दिया शिकवा शिक़ायत फ़साने में।

कभी नेकी इज्ज़त कमाकर देख,
मरने के बाद धन ये शोहरत क्या काम आयेगा।
सारी जिंदगी लूटा दिया धन कमाने में।
ये सफर है दौर का जो निकल जायेगा,
कानून बनने से पहले तोड़ ढूंढ़ लेते है।
रोशनी की ज़रूरत कहाँ ये तो,
बंद आँखों से देख लेते है।
सारी रात ढूंढ़ता रहा तन,
ढकने को कम्बल ये शहर भी है।
धुँआ सुलगती आग भी है,
बरसती ठंड की कहर भी है।

अब यकीन करू भी तो किस पर,
ये आग है बुझ जाएगी राख बनकर,
ठिठुरता तन ठंड शीत की लहर भी है।
कितने जिंदगी कट जाती है
झूठ के सहारे,
ये समुद्र मंथन है अमृत भी है
जहर भी है।

आज बिकाऊ हो गया है हर समान,
दाम पानी के मोल बिक रहे है,
एक एक ईंट पत्थर और मकान।
क्या क्या नही बिकते यहाँ के बाजार में,
कसम वादे झूठ और सत्य ईमान,
देख बिक् गये क़ीमती दौलत
संस्कारो का दिखाई दे रहा चौतरफ़ा नुकसान।
आज भी देखते है महंगे,
दाम में बिक़ते तेरे जुबान।

खड़ा कचहरी के कटघरे में,
ईमान के खातिर लड़ रहा इंसान।
बार बार सुनवाई में जाने से,
नही है लोग परेशान।
आज इंसान इंसान के ख़ातिर,
झूठ पे झूठ से है परेशान।

दिव्यानंद पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

पोखर में हरा सिंघाड़ा

ताल तलैया में भरा सिंघाड़ा।
पोखर में तैरे हरा सिंघाड़ा।
कोई खाता है गुड़ से, कोई
तीखी चटनी से खरा सिंघाड़ा।।
तीन नुकीले कांटें हैं इसमें।
कभी न पशुओं ने चरा सिंघाड़ा।।
गांव, शहर, चौराहों में बिकता।
ठेले पर उबला धरा सिंघाड़ा।।
आटे से पूआपूड़ी बन जातीं।
उपवासों में प्रिय रहा सिंघाड़ा।।
कच्चा ताजा जाड़ों में मिलता।
हर दम पानी में फरा सिंघाड़ा।।
चले शीतलहर, कुहासा, पाला।
तब पोखर में ही मरा सिंघाड़ा।।

प्रमोद दीक्षित मलय
शिक्षक, बांदा (उ.प्र.)।

तब गांव हमें अपनाता है

व्यथित हृदय औ सजल नयन से,
अनजान शहर में,
जब जब हम घबराते हैं ।
दुखों से घिरे संतृप्त हृदय को,
जब अपने हमें बहुत याद आते हैं।
जननी से जब मिलने को ,
व्याकुल मन हो जाता है ।
फिर मां बाबा सा स्नेह लिए तब
गांव हमें अपनाता है
चांद को छूने की आस लिए,
हम गांव छोड़ शहर को आते हैं ।
पर शहरों में देखा हमने,
शिक्षा शिक्षक बिक जाते हैं ।

सीधेसाधे जनमानस को ,
असभ्य कह कर कोई गुहराता है,
फिर मां बाबा सा स्नेह लिए
तब गांव हमें अपनाता है
जीवन की आपाधापी में,
जब तन मन मेरा थक जाता है।
मां की गोदी सा गांव मेरा,
फिर याद बहुत ही आता है ।
मां की लोरी को सुनने को,
जब बालमन अकुलाता है ।
फिर मां बाबा सा स्नेह लिए तब
गांव हमें अपनाता है
दुवरा, चौबारा, घर, अंगना,
जहां ताल तलैया सब अपना ।
जीवन एक कोठरी में, सिमट जाता है।
तब खेतों में ट्यूबेल का
लहराता पानी,
याद बहुत ही आता है।
फिर मां बाबा सा स्नेह लिए,
तब गांव हमें अपनाता है।

रहे ना हाथ में एक भी पाई,
बंद हो जाए सारी कमाई।
जिस गांव को त्याग बने शहरी,
फिर घोषित हो जाए हम बाहरी।
फिर मां बाबा सा स्नेह लिए तब
गांव हमें अपनाता है।
जब बहुत बड़ी विपदा आए ,
अपना ना पराया समझाएं ।
महामारी बढ़ती जाए,
किंकर्तव्यविमूढ़ मन हो जाए ।
जीवन की जब ना आशा हो ,
छाया जब घोर निराशा हो ,
तो जीवन ज्योति जला करके।
फिर मां बाबा सा स्नेह लिए,
तब गांव हमें अपनाता है ।
तब गांव हमें अपनाता है तब
गांव हमें अपनाता है

मधुलिका
गाजीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

अम्मा मोहे पईसा दे दे जा रहा भूरा खायवेको

अम्मा मोहे पईसा दे दे जा रहा
भूरा खायवेको।
झगड़ा वगरा नहीं करूंगा जा
रहा बहुए लायवेको।

ससुरो मेरो इतना खराब पव्वा
बोतल पीवत है।
साली मेरी इतनी सुंदर बोली
सी वा की सूरत है।

अम्मा मोहे पईसा दे दे जा रहा
भूरा खायवेको।
झगड़ा वगरा नहीं करूंगा जा
रहा बहुए लायवेको।

सालों मेरा इतनो अच्छा हाथ
पैर सर जाते ही दबाबत है।
सासु मां भी सेवा भाव से
हलवा पूरी भर भर खिलावत है।

अम्मा मोहे पईसा दे दे जा रहा
भूरा खायवेको।
झगड़ा वगरा नहीं करूंगा जा
रहा बहुए लायवेको।

चचिया ससुर जी के क्या
कहने नोट 1000 विदाई में देवत है
ससुराल से मिले इतना सम्मान
देख मन मेरा प्रसन्न होवत है।

अमित राजपूत
उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद ।
www.womenexpress.in

ख़्वाबों के दरख़्त

ख़्वाब , रंगबिरंगे फूलों की
तरह खिलते थे कभी ,
आह्लादित होता था अवचेतन मन,
ख़्वाबों के दरमियाँ अठखेलियां
करता यौवन ,
प्यार का , मनुहार का ,
मदमस्त श्रृंगार का ।
तो कभी भविष्य के सुनहरे
पलों को दर्शाता ,
हंसताखिलखिलाता, तरंगित करता,
कल्पना की कूची से ख़्वाबों
के कैनवास पर उकेरता ,

अंतर्मन की अभिलाषा , भावों
की भाषा ।
मग़र मनबसंत रहता नही सदा ।
पतझड़ , बारिश उड़ा ले जाती
ख़्वाबों को ,
छीनकर दरख्तों से ।
झंकझोर डालती है अवचेतन
मन को ,
पटक देती है ख़्वाबों को
यथार्थ के कठोर धरातल पर ।
आँख खुलते हीं बिखर जाते है
सारे ख़्वाब ,
होती है खींचातानी फ़िर ख़्वाब
और यथार्थ के दरमियाँ ।
जरूरतें जिंदगी की अब कहाँ
लेने देती ख़्वाबों की नींद ,
थका देती है दिन ढलतेढलते ।
निढ़ाल हो , लेट जाता है मन ,
जरूरतों की चादर तान ।

फ़ुरसत कहाँ अब ख़्वाब
सजाने की ।
बोझिल आँखों में अब तो कभी
कभार हीं पनपते हैं दरख़्त ख़्वाबों के ।
लगभग सूख से गए हैं ख़्वाबों
के दरख़्त मग़र ,
थका है मन हारा नही ।
आज भी एक टहनी हरीभरी ,
नई कोपलों से सजी ,
आसमां की ओर हर क्षण
अपनी रफ़्तार लिए ,
बढ़ती जा रही , एक नई आशा
और जोश से लबरेज़ ,
प्रेरित करती जीवन उपवन को
, हरियाली की जोत लिए ।

सुभाष चंद्र झा
जमशेदपुर, झारखंड ।
www.womenexpress.in

एक शाम अपनो के नाम

दुनियादारी मे मानुष तू
इस कदर सच खो गया है
सफलता के पीछे दौड़ते दौड़ते
सच कोई तो खो गया है।।

वक्त नहीं थमने रुकने का
अब किसी को किसी के लिये
अपनों से ही तू नरंतर सोच
कैसे दूर होता चला गया है।।
तेरे अपने तेरे लिये ही पलके
इंतज़ार मे सच बिछाते हैं
पर तुम ही हो जो अपनों के
लिये वक्त न निकाले विसारे हो।।

देखो खो ना जाओ इस दुनिया
की शौहरत,चकाचौंध मे तुम।
तुम्हें तुम्हारे अपने ही याद कर
हर पल बस पुकारे हैं।।

निकालो अपनों के लिये वक्त
लौटाओ उनके चेहरे की मुस्कान
कर दो हर एक शाम उनके नाम
जो रहते सिर्फ़ तुम्हें देख,तुम्हारे
सहारे हैं।।
बस तुम्हारे अपने तुम्हें पुकारे हैं ।।

वीना आडवानी
नागपुर, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

अन्नदाता

दिन भर जुटा रहता खेतों में
बैलों के संग संग
रात तक दर्द से सन जाते
उसके अंग अंग
इतनी मेहनत करके दो रोटी
नही जुटा पाता
हाय! भगवान होकर वो
सरकार से आश लगाता
हे कृषक! देव क्यों तुम
सरकार से आश लगाते हो
क्यों तुम चील होकर कौओं
की आस लगाते हो

कर्ज माफ़ी से ही होगा तुम्हारा
उद्धार नहीं
मिलता तो तुम्हारी फसल का
दाम नहीं
हे ईश्वर! अपने इस प्रतिरूप को
क्यों सताते हो
इतनी गरीबी देकर आत्महत्या
को क्यों उकसाते हो।
हे मेरे ईश्वर! बस मेरी एक
प्रार्थना सुन लो
मेरे धरती के ईश्वर जीते रहें
ऐसे कुछ कर दो
बादल बरसाओ फ़सल
उपजाओ तुम्हीं कुछ उद्धार करो
खुश रहे सब किसान सदा
इतना सा बस काम करो।

शुभम पांडेय गगन
अयोध्या,उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मेरी अभिलाषा

मैं नहीं चाहती नवरात्र में
मुझे दुर्गा बना पूजा जाए ।
मैं नहीं चाहती पैदा होने पर
मुझे लक्ष्मी सा जाना जाए
मै नहीं चाहती सरलता में
मुझे सीता माँ समझा जाए ।।

मैं नहीं चाहती पग पग पर
मुझे पुरुष के साथ तुला जाए
मैं नहीं चाहती सामाजिक बेड़ियों से
मेरे सपनो को कुचला जाए

मैं नहीं चाहती पुरुष अहं का खेल
मेरी अस्मत से खेला जाए ।।

मैं नहीं चाहती सदैव मुझे
मर्यादा ज्ञान दिया जाए
मैं नहीं चाहती मुझे जीने का हक
समाज की शर्तों पे दिया जाए
मैं नहीं चाहती रिश्तों को निभाते
मेरा खुद का अस्तित्व बिखर जाए

बेटी बहन प्रेमिका पत्नी बहू मां:...
हर एक रिश्ते से पहले
मैं एक औरत हूँ, और...
मुझे औरत ही रहने दिया जाए ।।

सारिका, जागृति
सर्वाधिकार सुरक्षित
ग्वालियर(मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

माँ-बेटी

माँ से बिटियाँ का
स्नेह होता है लाजवाब
बिटियाँ को सुलाती अपने
आँचल में
लगता है जैसे फूलों के मध्य
पराग हो झोली में ।

माँ की आवाज कोयल सी
और बिटियाँ की खिलखिलाहट
पायल की छुन छुन सी
लगता है जैसे मधुर संगीत हो
फिजाओं में ।

माँ तो ममता की की अविरल
बहती नदी

बिटियाँ हो जैसे कलकल सी आवाज
निर्मल पावन जल की
लगता है जैसे पूजते आरहे
सदियों से इन्हे ।

माँ होती चांदनी सी
बिटियाँ हो सूरज की पहली किरण
दोनों देती है रौशनी
अपनेअपने पथ/कर्तव्य की
लगता है भ्रूण हत्या का
अंधकार हटा रही हो

माँबिटियाँ से
जन्म लेते है कई रिश्ते
ये होती है समाज का आधार
दोनों के बिना होता है जीवन सूना
लगता है जैसे इनमे बसती
जीवन की सांसे ।

संजय वर्मा
धार (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

सफलता के लिए सभी सुख खोना पड़ते हैं

सफलता उसी को हमेशा प्राप्त
होती है,
अपने मन में कुछ पाने को
ख्वाब देखता है।
सफलता के लिए प्रयास करता
रहता है,
अपने मन को एकाग्र चित्त कर
रखता है।।
अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए,
दृढ़ संकल्प कर निरंतर आगे
बढ़ते हैं।
अपने हृदय में विश्वास रख करके,
सफलता के लिए सभी सुख
खोना पड़ते हैं।।
नहीं डरना चाहिए कोई भी
मुसीबतों को,
पूरी ताकत के साथ हौसला को
फौलाद करो।
यदि भीषण राह में चट्टान खड़ा
है तो भी,
सफलता के लिए मनसे विकार
को त्याग करो।।
कठिन संघर्षों से सफलता का
जन्म होता है,
तन ,मन से अनवरत प्रयास
करना पड़ता है
मंजिल पाने के लिए हिम्मत
नहीं हारना,
सफलता के लिए जान
जोखिम में डालना पड़ता है।।
मन में संकल्प कर आगे कदम बढ़ाओ,
कंटीले राह पर संभल संभल
कर पग रखना।
एक न एक दिन मिल जाएगा
अपना मंजिल,
सफलता के लिए अपने मन
को एकाग्र चित्त रखना।।

देवीदीन चंद्रवंशी
अनूपपुर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

जन-जन का आधार मैं

कुछ अंधेबहरे हैं, ईश के भेजे हुए,
पर ईश की कृपा उन पर
है इतनी कि,
उनको भी वो भूखा नहीं सुलाता,
उतना ही प्रेम करता,
जितना अपनी स्वस्थ संतान को
बेवजह उन्हें नहीं रुलाता
पर उसकी स्वस्थ संतान को
तो देखो !
जो सबसे ज़्यादा स्वस्थ दिखते हैं,
वही अंधेबहरे हो गए हैं !
साथ में गूंगे भी !
बस भागते भागते जा रहे हैं,
जहां भूख लगी रास्ते में,
रुक गए पेटपूजा की, डकार ली,
फिर ढक लिया खुद में खुद को,
जिस अन्न से भर गए,
तुम्हारे पेट लबालब,
उसके आधार के हक को,
छल रहे, मत हिलाओ इसे ओ !
अंधेबहरे, गूंगे और काणे बनकर,
तुम्हारे अस्तित्व ही कहीं गल रहे

भावना अरोड़ा, मिलन
कालकाजी, नई दिल्ली
www.womenexpress.in

अलविदा

ख्वाहिशों को संजों कर,
चलो अब दिल खोलकर जीएँ!
दिल के ग़ुबार को छोड़ कर,
चलो थोड़ा खुशियों की ओर बढ़ें!

सारे दर्द और ग़म भुला कर,
चलो अब थोड़ा खुलकर हँसे!
शिकवेशिकायतें दूर कर
चलो अब एक नया सफ़र चुने!

कोरोना ने जो सीख दी
चलो उससे सीखें और समझें!
साल का आखरी महीना होने
को आया
चलो इसे मुस्कुरा के अलविदा कहें!

रूना लखनवी
www.womenexpress.in

जिंदगी की सांझ हूं मैं

जिंदगी की सांझ हूं मैं
सहचरी हूं अब तुम्हारी!!
सत्य के दर्पण में देखो
बाजियां जो जीतींहारीं !!
देख लो इन उंगलियों को
कर रही हैं क्या इशारे !!
दूर उन पगडंडियों पर
चलना है अब बेसहारे!!
कश्तियां हैं खोखलीं सीं
तेज हैं नदिया के धारे !!
इस घड़ी में टूट जाते
रिश्तों के अनुबंध सारे !!
शेष हैं अवशेष जो भी
उनसे कुछ अनुदान कर!!
तोड़ कर के मोह कारा
बस प्रभु का ध्यान कर!!!

रश्मि मिश्रा
भोपाल ।
www.womenexpress.in

कोरोना का वार महंगाई से हाहाकार

कोरोना में जहां लोग अपना काम धंधा छोड़ के घरों में बैठ गए हैं। कुछ समय तक तो जोड़ी हुए पूंजी से खाने की जरूरतों को पूरा करता हुआ आम इंसान अपना समय निकाल रहा था। इस दौर का ज्यादा असर मध्य वर्गीय परिवार के ऊपर पड़ा है, जिनके पास ना तो उच्च वर्ग की तरह जमा पूंजी है और ना ही निम्न वर्ग की तरह कुछ भी मांग कर अपनी जरुरतों को पूरा करने की हिम्मत है। इन हालातों में बाजारों में दुकानदारों ने जरूरी चीजों के दाम इतने ज्यादा कर दिए हैं कि हर चीज के लिए कीमत चौगनी चौगनी वसूल कर रहे हैं इस बीच मध्य वर्गीय परिवार जो मकान का किराया बिजली पानी के बिल , बच्चों के स्कूल की ऑनलाइन क्लासेस की फीस और ऊपर से बेरोजगारी के कारण आठ महीने से घर पर बैठकर अपने भविष्य की चिंता कर रहा है लोग ज्यादातर बाजार में जरूरत की चीजें लेने जाते हैं जरूरत के दूसरे समान अगर किसी ने लेने की जरुरत पड़ गई है तो उस वस्तु की कीमत दुकानदार ज्यादा वसूल रहे हैं। इस महामारी में जहां हर तरफ मौत अपना पांव पसारे खड़ी है। आए दिन सैकड़ों मामले कोरोना के आ रहे है फिर भी इंसान का यह लालच थम नहीं रहा है वह और ज्यादा और ज्यादा जो ग्राहक भी आ रहे हैं उसे मन माना दाम वसूल कर रहे हैं। हर चीज के भाव बहुत ज्यादा हो गए हैं। खानेपीने और राशन की जरूरतों तो हर इंसान ने पूरी करनी ही है।

सब्जियों के दाम भी पहले से बहुत ज्यादा हो गए हैं।

कोरोना काल में सबसे पहला त्योहार राखी आया। इस त्योहार में राखी के लिए इस बार जो भाईबहन दूसरे राज्यों में रहते हैं वहां जाना मुश्किल था इसलिए ज्यादातर लोग कोरियर सुविधा से ही राखी भेज रहे थे। हैरानी की सीमा नहीं रही जब एक कोरियर के लिए दुकानदार बाजार में 400 रुपए तक की राशि वसूल कर रहे हैं। जो कि साधारणता 100 से 150 तक की कीमत में चला जाता था।

इस तरह की वसूली बहुत ही चिंता जनक है। जो लोग दुकानदार नहीं है और प्राइवेट नौकरियों के तहत जिनके काम बंद है अपना रोज का काम धंधा चलाना मुश्किल हो गया है क्योंकि जरूरी चीजें तो सब ने ही लेनी है। जिसके पास जो चीज है वह अपनी चीज के दाम जो भी ग्राहक आ रहा है एक ही व्यक्ति से वसूल करना चाहता है। यह महंगाई तो व्यक्ति को कोरोना की मार से पहले ही मार रही है।

प्रीति शर्मा
नालागढ़ , हिमाचल प्रदेश।
www.womenexpress.in

बेटी संगीता की पाणिग्रहण वर्ष गांठ पर आशीष

आराध्य श्री जमुना प्रसाद,
नाती का ब्याह रचाए
जीवन भर की आस नतिबहू
आंगन खिलवाए
योग और संयोग विधाता रची कहानी
सुनील साध्वी की बहना बन
लक्ष्मी आ जन्मानी

बड़े सृजन से पलित हुई बहनों
संग करी पढ़ाई
निश दिन महनत कर संगीता
उपाधि एम काम की पाई

शुभ सन दो हजार एक मास
दिसम्बर प्रथम दिवस की रात
रामश्री दादी ने नातिन के
कीन्हे पीले हाथ
संगीता प्रदीप जोड़ी को दिया
अभय वरदान
श्वसुर रामशंकर जी की
अभिलाषा का रखना मान
घड़ी सुखद लक्ष्मी बन आई
सासूजी बलिहारी
हनी रूप ले जन्म आ गई
आंगन ले किलकारी
गंगा देवी दादी ने एक गुहार लगाई
पार्थ रूप अवतार पितामह भर
दी झोली भंडारी

पान करो सुकुमारि सुता है
अंजुली भर आशीष निछावर
गंग की धार बहे जब लो रहे
अमर मनोहर सातवी भांवर
पति पूज्य रहें तुमरे निशदिन
नव कार्य करो सम्मति पाकर
रहो सास की लाड़ली प्यारी
सुता आभूषित गृहलक्ष्मी पद पर,
आभूषित ग्रहलक्ष्मी पर पर।।

सरोज दीक्षित, मम्मी
बच्चू लाल दीक्षित, पापा ।
www.womenexpress.in

घबराओ न

घबराओ न दर्द के क्षण
आ जायें कहीं जो जीवन में
उत्ताल तरंगें उद्वेलित हों
कष्टों की अन्तर्मन में
दुख के ये कलुषित बादल
ठहर न पाते ज्यादा दिन
कुछ पल के बस होते हैं
अँधियारे के ये दुर्दिन
उल्लास की स्वर्ण रश्मियाँ
आतीं घटायें मर्दन कर
प्रसून उन्मिष होते उपवन
सुरभि का संवर्धन कर
कुछ दिन में ही हट जायेगी
गर्त जमीं जो दर्पण में
घबराओ न दर्द के क्षण
आ जायें कहीं जो जीवन में
हर्ष विषाद के ये पहलू
जीवन में आते जाते रहते हैं
वही सफल हो पाते जो
दुख में भी मुस्काते रहते हैं
सुख दुख यथार्थ जीवन का
फिर इससे घबराना क्या
मझधार है तो किनारा भी
फिर लहरों से डर जाना क्या
कल सुबह आयेंगीं किरणें
गर आज तिमिर छाया मन में
घबराओ न दर्द के क्षण
आ जायें कहीं जो जीवन में
सृजन अगर जीवन दर्शन
तो विनाश भी एक सच्चाई है
गर आज काली निशा घनेरी
तो कल ऊषा की तरुणाई है
शूल आज राहों में बिखरे
कल फूल खिलेंगे पग पग में
गर आज पराजय हाँथ लगी
कल विजय मिलेगी इस जग में
उन्नति के पुष्प खिलेंगे सदा
गर जीवन श्रम समर्पण में
घबराओ न दर्द के क्षण
आ जायें कहीं जो जीवन में

एस पी दीक्षित
उन्नाव, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

आईएसएल-7: लेफोन्ड्रे के डबल से मुम्बई टॉप पर, ईस्ट बंगाल की लगातार दूसरी हार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

गोवा, 02 दिसंबर । फॉरवर्ड एडम लेफोन्ड्रे के शानदार दो गालों के दम पर मुम्बई सिटी एफसी ने मंगलवार रात यहां बोम्बोलिम के जीएमसी स्टेडियम में एससी ईस्ट बंगाल (एससीईबी) को 30 से हराकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पहले मैच में नार्थईस्ट युनाइटेड से हारने के बाद मुम्बई ने दूसरे मैच में लगभग 70 मिनट तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेली एफसी गोवा को हराया था। मुम्बई अब छह अंकों के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है। दूसरी ओर, पहली बार आईएसएल में खेल रही एससी ईस्ट बंगाल को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। अपने पहले मैच में उसे कोलकाता डर्बी में एटीके मोहन बागान से हार मिली थी। वह 11 टीमों की तालिका में सबसे

नीचे है। मुम्बई के लिए उसके तीसरे मैच में एडम लेफोन्ड्रे ने 20वें मिनट में पहला और 48वें मिनट में पेनाल्टी पर दूसरा गोल किया। उनके अलावा हेरनान डेनियल सांटाना ने 58वें मिनट टीम का तीसरा गोल किया। मैच की शुरुआत निराशाजनक नोट पर हुई क्योंकि ईस्ट बंगाल के कप्तान डेनियल फाक्स दूसरे मिनट में ही चोटिल हो गए। उपचार के बाद फाक्स ने खेलना जारी रखना चाहा लेकिन वह एसा नहीं कर सके। सातवें मिनट में फाक्स बाहर गए और मोहम्मद रफीक को अंदर लिया गया। इस सबका फायदा उठाकर मुम्बई ने नौवें मिनट में एक शानदार हमला किया लेकिन ईस्ट बंगाल के गोलकीपर देबजीत मजूमदार ने उसे नाकाम कर दिया। बदले में 20वें मिनट में सब्सीट्यूट रफीक ने मूव बनाया लेकिन मुम्बई के गोलकीपर अमरिंदर सिंह सावधान थे। इसी मिनट में लोफोन्ड्रे ने गोल करते हुए मुम्बई को 10 से आगे कर दिया। 34वें मिनट में बलवंत सिंह और रफीक ने साझा प्रयास से अपनी टीम का खाता खोलना चाहा लेकिन इस बार भी अमरिंदर सावधान थे। इसके बाद अगले 17 मिनट तक दोनों टीमों ने गोल के लिए संघर्ष किया लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली। पहली सफलता की तलाश में ईस्ट बंगाल ने पहले हाफ की शुरुआत में अपना कप्तान खोया और दूसरे हाफ की शुरुआत में पेनाल्टी दे बैठी।

'इंदु की जवानी' का दूसरा गाना 'दिल तेरा' आज होगा रिलीज

मुंबई, 02 दिसंबर (वेबवार्ता)। अभिनेत्री कियारा आडवाणी की फिल्म 'इंदु की जवानी' का दूसरा गाना 'दिल तेरा' गुरुवार को रिलीज होगा। फिल्म 'इंदु की जवानी' में कियारा आडवाणी के अपोजिट आदित्य सील मुख्य भूमिका में होंगे। गाना 'दिल तेरा' में कियारा आडवाणी और आदित्य सील रेट्रो अवतार में दिखाई देंगे। कियारा आडवाणी ने सोशल मीडिया पर गाना 'दिल तेरा' का फर्स्ट लुक जारी किया है। फिल्म 'इंदु की जवानी' के निर्देशक बंगाली लेखकफिल्मकार अबीर सेनगुप्ता हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर कर लिखा'हिट रिवाइंड और समय के साथ वापस आए 'इंदु की जवानी' के लेटेस्ट गाने 'दिल तेरा' के साथ! यह गाना कल रिलीज

होगा, साथ बने रहें।' फर्स्ट लुक में कियारा आडवाणी शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही है, वहीं आदित्य सील पीले रंग ड्रेस में दिखाई दे रहे हैं और उन्होंने गर्दन में एक रूमाल बांध रखा है। दोनों के बैकग्राउंड में डांसर दिखाई दे रहे हैं और सभी ने कलरफूल ड्रेस पहन रखा है। पिछले दिनों फिल्म का पहला गाना 'हसीना पागल दीवानी' रिलीज हुआ था। गाना 'हसीना पागल दीवानी' साल 1998 में रिलीज हुए पॉपुलर गाना 'सावन में लग गई आग' का रिबूट है। इस गाने को मीका सिंह ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'इंदु की जवानी' रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। पहले फिल्म 5 जून 2020 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। इस फिल्म से बंगाली राइटर फिल्ममेकर अबीर सेनगुप्ता बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे।

जॉन अब्राहम बने पेटा इंडिया के पर्सन ऑफ द ईयर

मुंबई, 02 दिसंबर । बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम को पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) द्वारा 2020 का पर्सन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। जॉन ने 2020 में ईरिटेलर क्रिकर से आग्रह किया था कि वह जीवित जानवरों का व्यापार करना बंद कर दे। इन वर्षों में, उन्होंने पेटा इंडिया के साथ मिलकर पशु सर्कस पर प्रतिबंध लगाने, मुंबई के नाचने वाले बंदरों के विरुद्ध अवाज उठाने और एक विज्ञापनअभियान में सभी से पक्षियों को पिंजरों में नहीं रखने के लिए अनुरोध किया था। सम्मान पाने वालों में राजनेता शशि थरूर, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश केएस पणिक्कर राधाकृष्णन, क्रिकेटर विराट कोहली, और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा, सनी लियोनी, सोनम कपूर, कपिल शर्मा, हेमा मालिनी, आर माधवन और जैकलीन फर्नांडीज शामिल हैं।

विराट वनडे में बने सबसे तेज 12 हजारी, तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड

कैनबरा, 02 दिसंबर । एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट 12 साल से अधिक समय गुजार चुके भारतीय कप्तान और रन मशीन विराट कोहली वनडे में सबसे तेज 12 हजारी बन गए हैं और उन्होंने क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार को तीसरे और अंतिम वनडे में अपनी 63 रन की पारी का 23वां रन बनाने के साथ यह उपलब्धि अपने नाम कर ली। विराट ने पारियों और समय दोनों ही लिहाज से सचिन का रिकॉर्ड तोड़ डाला। तीन मैचों की सीरीज शुरू होने से पहले विराट को इस कीर्तिमान तक पहुंचने के लिए 133 रन की जरूरत थी। विराट ने पहले मैच में 21 और दूसरे मैच में 89 रन बनाये। तीसरे मैच में अपनी पारी का 23वां रन बनाते ही उन्होंने नया कीर्तिमान बना दिया।

विराट वनडे में 12 हजार रनों के शिखर पर पहुंचने वाले दुनिया के छठे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पिछले मैच में तीनों फॉर्मेट में 22 हजार रन भी पूरे किये थे। मास्टर ब्लास्टर सचिन ने 12 हजार रनों तक पहुंचने के लिए 300 पारियां खेली थीं और 13 साल 73 दिन का समय लगाया था जबकि विराट ने 12 हजार रनों के लिए 242 पारियां खेलीं और 12 साल 106 दिन का समय लगाया। विराट ने अपने वनडे करियर की शुरुआत 18 अगस्त 2008 को की थी।

वनडे में इससे पहले पांच खिलाड़ियों ने 12 हजार रन पूरे किये थे। सचिन ने 463 मैचों में 18426 रन, श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 404 मैचों में 14234 रन, ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ने 375 मैचों में 13704 रन, श्रीलंका के सनत जयसूर्या ने 445 मैचों में 13430 रन और श्रीलंका के माहेला जयवर्धने ने 448 मैचों में 11867 रन बनाये हैं। पिछले महीने पांच नवंबर को अपना 32वां जन्मदिन मनाने वाले विराट ने इस सीरीज का दूसरा मैच खेलते ही वनडे में 250 मैच भी पूरे कर लिए थे और यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह आठवें भारतीय खिलाड़ी बने थे।

अमेरिकी क्रिकेट में बड़ा निवेश करेंगे शाहरुख!

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 02 दिसंबर । नाइट राइडर्स ग्रुप के मैजोरिटी हकदार बॉलीवुड सुपरस्टार, शाहरुख खान ने अमेरिकन क्रिकेट एंटरप्राइजेज (एसीई) के साथ साझेदारी में अमेरिकी क्रिकेट में एक बड़े निवेश के लिए सहमति व्यक्त की है।

इस रणनीतिक साझेदारी में संयुक्त राज्य अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट को विकसित करने और लॉन्च करने में मदद करने के लिए वित्तीय निवेश और महत्वपूर्ण विशेषज्ञता शामिल होगी।

शाहरुख खान के नाइट राइडर्स ग्रुप में बोर्ड सदस्य की भूमिका में जूही चावला और उनके पति जय मेहता भी शामिल हैं, जो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) के मालिक हैं और अब अमेरिकी क्रिकेट का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। अभिनेता द्वारा इससे पहले बॉलीवुड को विदेश में ले जाने के

बाद, अब क्रिकेट की दुनिया के साथ विदेश में हंगामा मचाने के लिए तैयार है और अब वह मेजर लीग क्रिकेट की लॉस एंजिल्स टीम के मालिक है। बॉलीवुड के बादशाह भारत को किस तरह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जा रहे हैं, यह इसका एक और उदाहरण हैय जो इससे अपनी फिल्मों के साथ रूस में भारतीय सिनेमा के लिए दरवाजा खोल चुके है और कैरिबियन में अपनी क्रिकेट टीम के साथ पहचान बना चुके है।

अभिनेता की लोकप्रियता दुनिया भर में बढ़ रही है और उनकी फिल्में व काम कई अन्य देशों में प्रभाव बनाने के लिए जानी जाती हैं। शाहरुख खान ने मेजर लीग क्रिकेट में लॉस एंजिल्स टीम को खरीदने पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'कई सालों से, हम विश्व स्तर पर नाइट राइडर्स ब्रांड का विस्तार कर रहे हैं और यूएसए में टी 20 क्रिकेट की संभावनाओं को करीब से देख रहे हैं। हम आश्वस्त हैं कि इस योजना पर अमल करने के लिए मेजर लीग क्रिकेट में सभी गुण है और हम आने वाले वर्षों में अपनी साझेदारी को सफल बनाने के लिए तत्पर हैं।'

हमने मिटा लिए सभी अपनों से फासले

दिन एक से सुना था कि रहते कभी नहीं
पर हमने दिल के फ़ैसले बदले कभी नहीं
हमने मिटा लिए सभी अपनों से फ़ासले
हम दुश्मनी किसी से भी रखते कभी नहीं
चाहत यही रही हमें सबको मिले खुशी
कुछ बद दिमाग़ बात ये समझे कभी नही
पहले भी नेकियों से थे गुलज़ार रास्ते
लेकिन निशान राह में देखे कभी नहीं
नीयत में खोट जिनकी हो डरते हैं बस वही
हक़ राह पर जो चलते हैं डरते कभी नहीं
सर पर दुआ है मां की, खुदा मेरा रहनुमा
फिर भी सफ़र से मैं हटूं पीछे, कभी नहीं
संजय समझ रहा था, जहाँ का खुदा जिन्हें
पाषाण दिल हैं उनके धडकते कभी नहीं

संजय कुमार गिरि
करतार नगर ,दिल्ली

नफरतों से हमारी रगो में उबाल क्यों नहीं

नफरतों से हमारी रगो में उबाल क्यों नहीं,
बढ़ती हरकतों पर हमारे बीच सवाल क्यों नहीं।।
इन कौमी हमले पर जरा सोचिये जनाब,
शर्मनाक हिंसा पर दुनिया में बवाल क्यों नहीं।।
नफरतों के बीज से आतंक ही होगा पैदा,
अपने आप से पूछते सवाल क्यों नहीं।
जिस माटी का खाया नमक, हक़ अदा करो,
नमक हराम क्यों नमक हलाल क्यों नहीं।।
हिंसक हमलों में लहुं में उबाल क्यों नहीं
दिलों में नफरत पर दुनिया मे सवाल क्यों नहीं।।
मुह में राम बगल में छुरी ऐसे में हैरान क्यों नहीं।
हवाओ में नफरत घोलनें पर भूचाल क्यों नहीं।
ये इंसानियत का खुले आम क़त्ल है
अगली पीढ़ी क्या सीखेगी तुम्हे मलाल क्यों नहीं।।

संजीव ठाकुर
चौबे कॉलोनी, रायपुर ।
www.womenexpress.in

माँ का हृदय

माँ के हृदय में सरसता होती है।

माँ का हृदय शांत सागरसा,
सहनशक्ति की क्षमता होती है।
दया,वात्सल्य,करुणा, प्यार,
माँ के हृदय में ममता होती है।
नादानियाँ सब आँचल में छिपाती,
माँ के हृदय में निश्छलता होती है।
सीधापन,भोलापन व सादगी पूर्ण,
महसूस ना होने देती दुःखो को,
माँ के हृदय में कठोरता होती है।
संतान की पीड़ा सह ना सकती,
माँ के हृदय में कोमलता होती है।
माँ के हृदय में कर्म और शर्म,
शक्ति, भक्ति और मर्मता होती है।
संस्कृति,संस्कार और आदर,
माँ के हृदय में गहनता होती है।

विकाश बैनीवाल
हनुमानगढ़ (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

बचपन

याद आता हैं मुझे मेरा बचपन,
याद आता हैं वह हसीन पल,
बचपन जहाँ हम हमेशा, सबसे
बड़े हुआ करते थे,
कोई भी मस्ती हो हमेशा,
सबसे आगे खड़े हुआ करते थे,
अब बस यादों में बस कर रह
गयी सारी मस्ती,
कुछ भी खरीदा तो लगती थी सस्ती,
अब कभी ना लौट के आएँगे वो दिन
जहाँ हर बात में प्यार हुआ करते थे ।।
वो छोटीछोटी बातों पर रूठ जाना,
वो दोस्तों के साथ साइकिल चलाना,
मुश्किल है इसको भुलाना,
क्या खुशियाँ होती थी वो बचपन की,
पापा के हाथ से दिया हर
तोहफा कितना अनमोल था,
वो डाँटना, डर के छुप जाना,
सब याद आने लगा हैं ।
हाँ, याद आता हैं मुझे मेरा बचपन,
याद आता हैं वह हसीन पल ।।
कहाँ गए अब वो बचपन के दिन?
कहाँ खो गई वो मासूम सी हँसी?
क्यो बड़े हो गए हम, वो
बचपन ही अच्छा था,
ऐसा लगता है कि,
चिड़िया उड़, तोता उड़
इन्हीं में कहीं बचपन भी उड़ गया ।।
खुशी किसमें होती है,
यह पता अब चला हैं ।
बचपन क्या था, इसका
अहसास अब हुआ हैं ।
काश ! बदल सकते हम
जिंदगी के कुछ साल ।
काश ! जी सकते हम अपना
बचपन फिर एक बार ।
हाँ, याद आता हैं मुझे मेरा बचपन,
याद आता हैं वह हसीन पल,
बचपन जहाँ हम हमेशा, सबसे
बड़े हुआ करते थे ।
कोई भी मस्ती हो हमेशा,
सबसे आगे खड़े हुआ करते थे ।।

प्रेम मंडल
बर्धवान, ।

तेरा भी है नाम

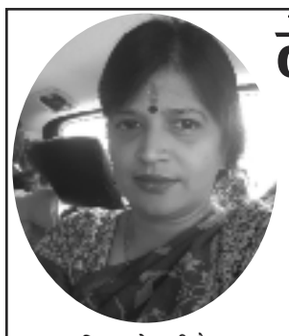

त्रिजटा तेरा भी है नाम
त्रिजटा तेरा भी है नाम
अशोक वाटिका में थी जब सीता,
माता जैसा था स्नेह तूने दिया।।
त्रिजटा तेरा भी है नाम
त्रिजटा तेरा भी है नाम।।
वनवास में थी जब सीता
रावण था जबरन हर लाया।
उस निर्जन अनजान लंका नगरी में
त्रिजटा ने सीता माता का साथ दिया।।
त्रिजटा तेरा भी है नाम
त्रिजटा तेरा भी है नाम।।

रामवियोग में थी जब सीता
हिम्मत हरदम वो बँधाती।
शीघ्र आएँगे तेरे राम प्रभु लेने,
ग़ज़ब का साथ थी वो निभाती।
त्रिजटा तेरा भी है नाम
त्रिजटा तेरा भी है नाम।।
मायावी नगरी में अकेली माता
डरती कभी रोती कभी जब न सोती।
माँ सा प्यार दुलार वो करती
ममतामयी हाथ सर वो फिराती।
त्रिजटा तेरा भी है नाम
त्रिजटा तेरा भी है नाम।।

वियोग में सीते दिनरात रोती
भोजन करती न जल वो पीती
तो बहलाती फुसलाती वो
सात्विक भोजन प्यार से कराती।
त्रिजटा तेरा भी है नाम
त्रिजटा तेरा भी है नाम ।।
हर मुसीबत से आगाह करती
कहे सखि वो ढाँढस बँधाती
रावण की हर षड्यंत्र को
विफल कर माँ को बचाती।।
त्रिजटा तेरा भी है नाम।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

मूड़ रही हूँ

मेरे वजूद का हिस्सा तुम्हारी
खूबसूरत बेरुख़ी की बौछार में
नहाते धुल रहा है।

मेरी प्यास की परिधि ने नाप
लिया है तुम्हारे दिल के दरिया की
गहराई को

महज़ चुल्लूभर बावडी भरी पड़ी है
अहं से लबालब मेरी चाहत
ढूँढ रही है एक छोटा सा कोना।

सदाएं सुनी होती मेरे दिल की
कभी अपने दिल के कानों से

मौसम मीठा प्रेम की बयार का मंद
मंद मुस्कुरा रहा था।

एक नदी धसमसती तुम्हारे
वजूद में ढ़लने बेताब सी बह रही
थी जो छूना चाहती थी प्रीत का
समुन्दर अंतर्ध्यान होते पूजा सी।

तुम्हें पूजती रही आराध्य सी
पर मैं तो तुम्हारी सोच का हिस्सा
तक नहीं,

मूड़ना नदी की फ़ितरत नहीं
पर मूड़ रही है
किसकी आगोश में ढलूँ जब
सूखे समुन्दर के सिने में प्यास की
परछाई तक नहीं।

भावना ठाकर
भावु, बेंगुलूरु ।
www.womenexpress.in

ऐ ज़िन्दगी तू मुझे कितना रूलाएगी

ऐ ज़िन्दगी तू मुझे कितना रूलाएगी
हार कर तू खुद मुझे जीत तक पहुँचाएगी
ऐ ज़िन्दगी तू मुझे कितना रूलाएगी
फैला कर अपना मकड जाल तू खुद फस जाएगी
ऐ ज़िन्दगी तू मुझे कितना रूलाएगी
अपने उलझे हुए डोर को
तू खुद सुलझाएगी
पथ के सही मार्ग तक
तू मुझे खुद पहुँचाएगी
ऐ ज़िन्दगी तू मुझे कितना रूलाएगी
हार कर तू खुद मुझे जीत तक पहुँचाएगी
बूँद ,बूँद में
हौसले बन कर चट्टानो से भी टकराएगी
ऐ ज़िन्दगी तू मुझे कितना रूलाएगी
डूब कर दरिया में भी
अपने हौसले से
अपना मंजिल बनाउंगी
ऐ ज़िन्दगी तू मुझे कितना रूलाएगी

आकांक्षा राय
गाजीपुर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

डिजिटल दुनिया

वाह री ये डिजिटल दुनिया ,
खूब हमें है भाए ।
बस अब तो एक किल्क भर में,
दुनिया हमें घुमाए ।

चाहे पढ़ाई करो घर बैठे ,
या करनी हो कोई खरीदारी ।
बिजली ,फोन के बिल से लेकर ,
सभी क्षेत्रों में भुगतान करने की
दिखाता ये वफादारी ।
कुछ भी जानकारी तुम हो चाहो ,
गूगल बाबा देते बड़ी
समझदारी ।

घर बैठे से अब तो करलो,
अब तो तुम अपनी व्यापारी ।

पलपल की खबर यहां मिल जाती
पूरे विश्व की सैर कराए ।
मनोरंजन हो चाहे खेल जगत ,
सकल संसार मुठ्ठी में है समाए ।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

लघु कथा- कुलक्षणी औरत

मैं जब भी गाँव जाता तो देखता कि रामदास की घरवाली गृहस्थी के काम में हर पल उलझी ही रहती! बेचारी को पल भर की फुर्सत नहीं थी घर के काम से, शानशौक तो जैसे सब कब के छूट चुके थे! सिर पर जिम्मेदारी का बोझ था, देखने में लगता जैसे बीमार हो बेचारी! वहीं दूसरी ओर उसका पति रामदास निहायत निठल्ला,कामचोर, पत्तियाँ खेलते हुए समय बेकार करता रहता था! घर की स्थिति बेहद नाजुक थी !गरीबी तो मानो छप्पर पर चढ़कर चिल्ला रही थी कि उसका हमेशा से शुभ स्थान रामदास का घर ही रहा है! इस बार मैं चार महीने से गाँव नही जा पाया था,लेकिन चार महीने बाद में जब गाँव गया तो देखा कि रामदास का तीन कमरे का पक्का मकान बना हुआ था! रामदास ने एक आटो भी खरीद ली थी! सब कुछ बहुत अच्छा हो गया था ! मैं ने रामदास से पूछा कि इतना परिवर्तन अचानक कैसे हुआ ? और तुम्हारी घर वाली नही दिख रही है? रामदास बोला भैया जी मेरी घर वाली एक कुलक्षणी औरत थी!

अब वह इस दुनिया में नहीं है उसके मरते ही मेरे घर का दारिद्र दूर हो गया! मैं ने आश्चर्य भरे स्वर में पूछा उसकी मृत्यु कैसे हुई? रामदास ने बताया कि उसकी मृत्यु विषैले सांप के काटने से हुई! उसकी मृत्यु के उपरांत शासन से जो आर्थिक मदद मिलती है सर्पदंश से मौत होने वाले लोगों के पारिवारिक जनों को उसी पैसे से मेरी किस्मत पलट गई घर बन गया,आटो खरीद ली, और दूसरी शादी भी कर ली!

रामदास सारी बातें एक सांस में कह गया! अब मैं खामोश था कि एक औरत सारी उम्र दुख दर्द सहकर रामदास के घर को सांवरने में गुजार दी,उसके मरणोपरांत पैसे मिले, रामदास कि किस्मत के ताले खोलकर गई वो इस दुनिया से,फिर भी बदले में उस बेचारी औरत को नवाजा गया कुलक्षणी औरत के अलंकरण से, मेरा गला रुंध गया था आंखे सजल थीं और मैं स्त्री जीवन और स्त्रियों के संघर्ष के विषय में सोचते हुए वापस शहर लौट आया था!

आशीष तिवारी निर्मल
रीवा, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

वृद्धाश्रम

मां ने तुमको पाला पोषा,
वृद्धाश्रम पहुंचाते हो,
तुम को शर्म नहीं आती क्या?
मां को तुम तड़पाते हो।
मां ने तुमको पाला....

खून पसीना एक किया तब,
पिता ने तुमको पाया है।
कष्ट अनेको सहे पिता ने,
तुमको खूब पढ़ाया है।
मां ने तुमको पाला....

वृद्ध आश्रम में पिता को भेजा,
शर्म तुझे ना आया है।
मातपिता का त्याग तपस्या,
तुमने व्यर्थ बनाया है।
मां ने तुमको पाला...
दादा दादी, मातपिता को, घर
रखकर सम्मान करो।
सेवा करके इन लोगों का,
जीवन अपना सफल करो।
मां ने तुमको पाला...

मातपिता आशीष लीजिए, शील
सदाचारी बनिए।
सेवा करके उन्हें जीतिए,
आंखों का तारा बनिए।
मां ने तुमको पाला...

वृद्धों का अभिवादन करिए,
दीर्घायु ज्ञानी बनिए।
वृद्धजनों का सेवा करिए,
बलशाली, नामी बनिए
मां ने तुमको पाला....

बुद्धि सागर गौतम।
गोरखपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

सदाचार से हम बनते अच्छे इंसान...

सदाचार व संयम से बनते हम
अच्छे इंसान,
हमें मनुजता आती है, न करते
हम अभिमान।
हमको सदुण मिलते है सदाचार
अपनाने से,
हँसी खुशी से जीते लोग करे
मेरा गुणगान।।

सच बोलना, चोरी न करना
कहलाता सदाचार,
ढेरों सारे दुर्गुण होते, कहते हैं
उसको दुराचार।
क्षमा, संयम और अहिंसा
सदाचार के हैं लक्षण,
सदाचारी मनुज करते सबसे
मृदुल व्यवहार।।

अच्छा आचरण करने से, हम
पाते हैं सम्मान,
छल, कपट व झूठ से होता
निश्चय अपमान।

गौरव बढ़ जाता है हमें,
सदाचार के पालन से,
सदाचार व संयम से हम पाते
सदा यशगान।।

सदाचार के आगे फीकी पड़ती
धन दौलत,
संयम अपनाने से जीवन लगती
हक़ीक़त।
प्रेम मुहब्बत मिलती है अच्छे
व्यवहार से,
सदाचार वो सुंदर रूप अनमोल
है कीमत।।
विद्वानों की संगति से मिलते
सदाचार के गुण,
खत्म हमारे हो जाते हैं यदि
रहते हैं अवगुण।

ज्ञान की शिक्षा मिलती है हमें
सद्व्यवहार से,
शालीनता अपनाने से सदैव
मिले हमको सदुण।।

हमारे देश के महापुरुष सब
सदाचार अपनाए,
परपीड़ा को देख कर अपना
सर्वस्व लुटाए।

मानवता के पथ पर चल हम
सीखें शिष्टाचार,
सदाचार व संयम से ही हम
विश्व गुरू कहलाए।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बाल [उत्तर प्रदेश]।
www.womenexpress.in

एक नजर

सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 60 अंक टूटा

मुंबई । वित्तीय, सूचना प्रौद्योगिकी और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों पिछले कारोबारी सत्र की तेजी के बाद बिकवाली का सिलसिला चलने से मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 60 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 60.37 अंक या 0.14 प्रतिशत के नुकसान से 44,595.07 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 15.30 अंक या 0.12 प्रतिशत टूटकर 13,093.75 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक 0.74 प्रतिशत नीचे आया। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के शेयर भी नुकसान में थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 0.21 प्रतिशत की गिरावट आई।

उत्तर प्रदेश में निवेश करें, देंगे सुरक्षा और सम्मानः योगी

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 02 दिसंबर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मुंबई में देश के चुनिंदा उद्योगपतियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि असीमित संभावनाओं वाले उत्तर प्रदेश में आप सबका स्वागत है। हम, आपको सुरक्षा, सम्मान और माहौल देंगे।

आने वाले कुछ ही वर्षों में उत्तर प्रदेश बुनियादी सुविधाओं के लिहाज से वैश्विक स्तर पर टक्कर लेगा। हमारी आबादी हमारा संसाधन है और आपके लिए बाजार भी। टूरिज्म, चिकित्सा, 'एक जिला, एक उत्पाद' और एमएसएमई सेक्टर में बहुत संभावनाएं हैं। मुंबई के ट्राइडेंट होटल में देश के नामी उद्योगपतियों से मुखातिब होते हुए आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर किए गए इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के बारे में जानकारी मुहैया करवाई। योगी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार जेवर (नोएडा) में एशिया का सबसे बड़ा ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बना रही है। पूर्वांचल, पूर्वांचल लिंक, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का निर्माण जारी है। करीब 600 किमी लंबा मेरठ से

प्रयागराज को जोड़ने वाला गंगा एक्सप्रेसवे जून 2021 से बनना शुरू हो जाएगा। इनके किनारों पर औद्योगिक गलियारे बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले के एक जिला, एक उत्पाद के लिए क्लस्टर भी बनाएंगे। आप लोग इन सेक्टर्स में भी निवेश कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के 75 में से कई जिलों में अब भी मेडिकल कॉलेज की आवश्यकता है। इन जिलों में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज बनाने के बारे में आप विचार कर सकते हैं।

प्रदेश के कुछ हिस्सों में सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों की जरूरत है। मसलन, गोरखपुर एवं वाराणसी में नेपाल और बिहार से भी बड़ी संख्या में मरीज आते हैं। ऐसे में इन जगहों पर आप विशिष्ट अस्पताल बनाएं। सरकार आपका हर संभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने देश के जिन कारोबारियों ने मुंबई में मुलाकात की, उनमें प्रमुख रूप से टाटा एंड संस प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, हीरानंदानी ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. निरंजन हीरानंदानी, केकेआर इंडिया एडवाइजर्स प्राईवेट लिमिटेड के पार्टनर और सीईओ संजय नायर, सिमेंस इंडस्ट्री साफ्टवेयर लिमिटेड के वाइस प्रसिडेंट और एमडी सुप्रकाश चैधरी, एलएंडटी लिमिटेड के सीईओ और एमडी एसएन सुब्रमन्यन, कल्याणी ग्रुप के चेयरमैन बाबा कल्याणी, सेंट्रम कैपिटल लिमिटेड के चेयरमैन जसपाल बिंद्रा, वन 97 कम्यूनिकेशंस लिमिटेड के प्रेसिडेंट अमित नैय्यर, एके कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के डायरेक्टर विकास जैन और एसोसिएट डायरेक्टर वरुण कौशिक और नाबार्ड के चेयरमैन डॉ. गोविंद रूजुलू चिंतला शामिल थे।

उप्रः सीएम योगी अंतर-धार्मिक विवाह प्रोत्साहन योजना बंद कर सकते हैं

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

लखनऊ, 02 दिसंबर । जबरन धर्म परिवर्तन पर लगाम लगाने के लिए धर्मातरण विरोधी कानून लाने के बाद, योगी आदित्यनाथ सरकार अब लगभग 44 वर्षो से अंतरधार्मिक विवाह करने पर मिलने वाले प्रोत्साहन को खत्म करने की योजना बना रही है। अंतरजाति और अंतरधार्मिक विवाह प्रोत्साहन योजना 1976 से चली आ रही है और उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय एकीकरण विभाग द्वारा शुरू की गई थी। इस योजना के तहत, एक अंतरधार्मिक दंपति शादी के दो साल के भीतर जिला मजिस्ट्रेट के पास आवेदन कर सकता है। सत्यापन के बाद, जिला मजिस्ट्रेट आगे उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय एकीकरण विभाग को आवेदन भेजता है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा, यूपी में, 11 अंतरधार्मिक जोड़े पिछले साल योजना के लाभार्थी थे और प्रत्येक को 50,000 रुपये मिले थे। इस साल, कोई राशि जारी नहीं की गई है। जो

चार आवेदन दाखिल किए गए थे, वे लंबित हैं। प्रवक्ता ने कहा कि इस योजना पर पुनर्विचार उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश को ध्यान में रखते हुए विचार किया जाएगा। शनिवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अध्यादेश पर हस्ताक्षर कर दिए। विवाह के माध्यम या अन्य तरीके से जबरन धर्मातरण पर सजा सुनिश्चित करता है। 2017 में, राज्य सरकार ने इस योजना के लिए एक चेतावनी जोड़ी थी अंतरधार्मिक दंपति विवाह करने के बाद धर्म परिवर्तन नहीं कर सकते थे, अन्यथा वे प्रोत्साहन खो देंगे। उत्तराखंड, जिसने उत्तर प्रदेश से अलग होने के बाद योजना को अपनाया गया था, यह राज्य भी इसको वापस लेने की योजना बना रहा है। उत्तर प्रदेश के मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कहा, यह योजना अभी के लिए मौजूद है। मैं इसके जारी रहने को लेकर टिप्पणी नहीं कर सकता। अध्यादेश का मतलब जबरन धर्मातरण को रोकना है और अपने पार्टनर को धोखा देने के लिए अपनी पहचान छिपाने वालों को दंडित करना है।

जाति या धर्म का ध्यान दिए बिना अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करना, एक मौलिक अधिकारः हाईकोर्ट

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

गोंदिया । भारत में अभी हाल ही के दिनों में लव जिहाद का मामला काफी गूंज रहा है। हम प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से लव जिहाद के विरोध में कई संगठनों द्वारा आंदोलन, वाद विवाद देख, सुन व पढ़ रहे हैं। अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश में 28 नवंबर 2020 को यूपी कैबिनेट द्वारा मंजूर विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश 2020 पर राज्यपाल ने हस्ताक्षर कर लागू कर दिया है और अन्य प्रदेशों में भी इस पर अध्यादेश लाने की चर्चाएं चल रही है।

इस बीच शुक्रवार दिनांक 27 नवंबर 2020 को कर्नाटक हाईकोर्ट की दो सदस्यीय बेंच जिसमें माननीय न्यायमूर्ति एस सुजाता तथा माननीय न्यायमूर्ति सचिन शंकर मगदुम की बेंच के सम्मुख रिट पिटीशन (सिविल) क्रमांक द्ध्द्ध/2020 आया, जिसमें उन्होंने अपने 4 पृष्ठों और 8 प्वाइंटों के आदेश में कहा और खास कर के अपने आदेश के प्वाइंट नंबर चार में कहा कि जाति या धर्म का ध्यान किए बिना अपनी पंसद के व्यक्ति से शादी करना,एक मौलिक अधिकार है। बेंच ने माना है कि किसी भी बालिग व्यक्ति द्वारा अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने का अधिकार भारत के संविधान के तहत मिला एक मौलिक अधिकार है। याचिकाकर्ता ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर उसकी प्रेमिका राम्या को मुक्त कराने की मांग की गई थी। बेंच ने इस याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि यह अच्छी तरह से तय है कि किसी भी बालिग व्यक्ति का अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने का अधिकार भारत के संविधान के तहत मिला एक मौलिक अधिकार है और व्यक्तिगत संबंधों से संबंधित दो व्यक्तियों को मिली इस स्वतंत्रता पर किसी के द्वारा भी अतिक्रमण नहीं की जा सकता है। यह निर्णय लव जिहाद के खिलाफ कानून लाने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा की जा रही बातचीत की पृष्ठभूमि में प्रासंगिकता रखता है ।

पुलिस द्वारा अदालत के सामने पेश किए जाने पर, राम्या ने कहा कि वर्तमान में वह महिला दक्षता समिति, विद्यारण्यपुरा में रह रही है। उसने जनोदय संतवाना केंद्र में भी शिकायत दर्ज कराई थी,जिसमें उसने आरोप लगाया था कि याचिकाकर्ता के साथ शादी करने से संबंधित मामले में उसके मातापिता उसकी स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन कर रहे हैं।

इसके अलावा, उसने प्रस्तुत किया कि उसने याचिकाकर्ता से शादी करने का फैसला किया है जो एक सहकर्मी है। याचिकाकर्ता की माँ को अपने बेटे की शादी उससे कराने में कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, उसके मातापिता उक्त शादी के लिए सहमति नहीं दे रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार अंडरवर्ल्ड के जरिए वॉलीबुड को धमका रहेः मोहसिन रजा

लखनऊ, 02 दिसंबर (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहसिन रजा ने बुधवार को महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार पर निशाना साधा और कहा कि महाराष्ट्र सरकार अंडरवर्ल्ड के जरिए बॉलीवुड को धमकाने में लगी है। मोहसिन रजा ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि अंडरवर्ल्ड के दबाव में महाराष्ट्र सरकार काम कर रही है। जिस प्रकार से उद्धव ठाकरे और संजय राउत बयान दे रहे हैं उससे साफ दिख रहा है वो दबाव में हैं। वहां पर कानून व्यवस्था नहीं है। वहां की सरकार अंडरवर्ल्ड चला रहे हैं। कहा कि महाराष्ट्र सरकार योगी जी के चुम्बकत्व प्रभाव से घबरा गए हैं।

उन्होंने कहा कि यूपी में बन रही फिल्म सिटी से लोग खुश हैं। इसीलिए तमाम अभिनेता और डायरेक्टर मिल रहे हैं। वह यूपी आना चाहते हैं। मंत्री ने कहा यूपी में तमाम संस्कृति विरासत है। यहां पर मथुरा, काशी, अयोध्या जैसी तमाम धरोहर हैं। बहुत से फिल्म निर्माता, निर्देशक व कलाकार मुंबई छोड़कर उत्तर प्रदेश आना चाहते हैं लेकिन उन्हें अंडरवर्ल्ड के जरिए धमकाया जा रहा है। मोहसिन रजा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के महाराष्ट्र पहुंचने पर वहां की सरकार के लोग घबरा गए हैं। वे कह रहे हैं कि हमारे यहां मैग्नेटिक पावर है पर जिस तरह से कलाकार मुख्यमंत्री योगी पर भरोसा जता रहे हैं उससे तो यही लगता है कि मैग्नेटिक पावर तो योगी में है। उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुंबई में फिल्मी सितारों से मुलाकात की। योगी के इस दौरे ने महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार की बेचैनी बढ़ा दी है। उनके मुंबई दौरे पर महाराष्ट्र मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बिना नाम लिए निशाना साधा। इस दौरान उद्धव ने कहा कि कोई भी महाराष्ट्र आकर इंडस्ट्री को यहां से नहीं ले जा सकता। ठाकरे ने कहा, महाराष्ट्र कॉम्पिटिशन से नहीं डरता है लेकिन कोई जबरन यहां से बिजनेस लेकर नहीं जा सकता। इसकी इजाजत नहीं होगी। हम किसी की प्रगति से ईर्ष्या में नहीं हैं, लेकिन यह फेयर कॉम्पिटिशन के जरिए होना चाहिए। उद्धव ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए इस्तेमाल किया गया कीवर्ड मैग्नेटिक महाराष्ट्र काफी शक्तिशाली है।

लखनऊ के बाद गाजियाबाद जुटाएगा म्यूनिसिपल बांड से पैसाः सीएम योगी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 02 दिसंबर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि गाजियाबाद उत्तर प्रदेश का दूसरा ऐसा स्थानीय निकाय होगा, जो म्यूनिसिपल बांड जारी कर पैसा जुटाएगा। आदित्यनाथ ने बुधवार यहां लखनऊ नगर निगम (एलएमसी) के बांड की सूचीबद्धता के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि लखनऊ इस मार्ग से पैसा जुटाने वाला उत्तर प्रदेश का पहला और राष्ट्रीय स्तर पर सातवां शहर है।

एलएमसी ने पिछले महीने म्यूनिसिपल बांड से 200 करोड़ रुपये जुटाए हैं। मुख्यमंत्री ने इसे ऐतिहासिक अवसर बताते हुए कहा कि अन्य शहर मसलन गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी भी इस मार्ग से संसाधन जुटाएंगे। आदित्यनाथ ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि जल्द हम यहां गाजियाबाद नगर निगम का बांड सूचीबद्ध होने के अवसर के लिए उपस्थित होंगे।'' एशिया के सबसे पुराने शेयर बाजार बीएसई में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि बांड निर्गम के जरिये धन जुटाने से

किसी नगर निगम का लेखा व्यवहार और अन्य प्रणालियों में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि 10 साल का यह निर्गम ऐसे समय आया है जबकि ऋण दरें पिछले एक दशक के सबसे निचले स्तर पर हैं। यह दूसरी सबसे निचली कपून दर 8.5 प्रतिशत के साथ लाया गया है। उन्होंने संसाधन जुटाने में देश की वित्तीय राजधानी की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि 'महालक्ष्मी मंदिर' एक सदी से अधिक से देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी आशुतोष टंडन, सतीश महाना और सिद्धार्थ नाथ सिंह और लखनऊ की मेयर संयुक्ता भाटिया तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने मंगलवार शाम को यहां पहुंचने पर फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार के साथ मुलाकात की थी। उनका बुधवार को बॉलीवुड की अन्य हस्तियों तथा टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन सहित अन्य उद्योपतियों से भी मिलने का कार्यक्रम है।

बहराइच में बहू ने सास को जिंदा जलाया

बहराइच । उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के सुजौली क्षेत्र में एक विवाहिता ने मामूली कहासुनी के बाद अपनी सास को पेट्रोल डाल कर जिंदा जला दिया। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि आरोपी बहू को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ विपिन कुमार मिश्रा ने बुधवार को बताया कि बीती रात ग्राम गडरियन पुरवा निवासी गुत्ती देवी पत्नी (65) को उनकी बहू कुसुमावती और बड़ी पोती ममता (20) एवं पोते मोहित (14) ने दामाद धनीराम पाल के खेत मे मिट्टी का तेल डालकर जला दिया है। बुजुर्ग महिला के लड़के की मृत्यु बहुत पहले ही हो चुकी है, जिसकी पत्नी कुसुमावती है। उन्होने बताया कि गुत्ती देवी ने अपनी जमीन बेटी गुनगरिया पत्नी धनीराम पाल के नाम कर दी थी तथा कुछ जमीन बची हुई थी।

आठ दिवसीय भैरव अष्टमी पर्व शिविर में जप-हवन साधना शुरू

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

उज्जैन। मां पद्मावती के परम उपासक, भैरव देव के सिद्ध साधक, कृष्णगिरी शक्तिपीठाधीपति, सर्वधर्म दिवाकर, राष्ट्रसंत, परम पूज्य डॉ वसंत विजय जी महाराज साहेब ने कहा कि भैरव देव की आराधना कलयुग में इस धरा के हर सांसारिक व्यक्ति को अनंत सुख प्रदान करने वाली है। उन्होंने कहा कि भैरव देव भगवान शिव के रूद्र अवतार माने गए हैं। भैरव देव की साधना से व्यक्ति अपने जीवन में सांसारिक बाधाओं को दूर कर अनेक लाभ प्राप्त कर सकता है। वे यहां त्रिवेणी घाट शनि मंदिर के समीप शांति आश्रम में भैरव मंत्र जपहवनसाधना शिविर के अष्ट दिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस अपना संबोधन दे रहे थे। पुष्पांजलि के साथ 108 नामों से आह्वान कर अखंड दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात सर्व रत्न, सर्व औषधी, स्वर्ण वर्क, चांदी का सिक्का, सदौषधि, मंगल मृतिका, गंगाजल सहित अनेक द्रव्यों से भरकर दीपमाला इत्यादि से सुसज्जित एक भरे हुए दिव्य कलश का पूजन स्थापना की गई।

किन्नरों के दर्द एवं समस्याओं पर आधारित फिल्म

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

प्रयागराज । अबुल कलाम आजाद जन सेवा संस्थान के तत्वाधान में द्धत्नस्स्स के सहयोग से किन्नरों के जीवन के संघर्ष एवं दर्द पर आधारित शार्ट फिल्म तारा है। इस फिल्म की खास बात यह है की इस फिल्म में किन्नरों ने काम किया और अपने काम से लोहा मनवाया, किन्नरों ने जबरदस्त अभिनय किया इसके आलावा स्थानीय कलाकारों को मौका मिला है इन लोगो ने भी अच्छा रोल किया है तारा फिल्म की कहानी और परिकल्पना नाजिम अंसारी की है। वरुण कुमार के निर्देशन में ये फिल्म बनकर तैयार हुई, कैमरामैन किशन कुमार। तारा में किन्नरों के समाज के द्वारा पक्षपात और संघर्ष को दिखाया गया है। मुख्य भूमिका में उड़ीसा की

चिनमई बेहरा है जिन्होंने तारा का रोल किया जो अपनी परम्परागत काम न कर पढाई करके कुछ बनना चाहती है लेकिन उसके सामने बार बार चुनौतियाँ आती है जिससे वो लडती है दूसरे किन्नरो की समस्याओ को सुलझाती है पढ़ लिखकर डिग्री हासिल करती है लेकिन दर दर ठोकर खाने पर भी नौकरी नहीं मिलती हर जगह अपमानित और पक्षपात की शिकार होती है। एक संस्था में काम करती है समाज सेवा करती है। बच्चो को पढ़ाती है वहां भी बच्चो के गार्जियन के द्वारा अपमानित किया जाता है अंत में तारा थक जाती है। प्रिया के रोल में पंक्षी पटेल ने अपने करेक्टर के साथ न्याय करते हुये तारा को हमेशा प्रोत्साहित करती है और उसका मनोबल बढ़ाती है। तारा के माँ का रोल कौशल्या नन्द गिरी उर्फ़ टीना माँ ने किया उन्होंने फिल्म में अपने अभिनय से जान डाल दिया है।

कोविड के टीके के परिवहन की तैयारियों में जुटी है स्पाइसजेट

मुंबई, 02 दिसंबर । किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन स्पाइसजेट ने कहा है कि वह कोविड19 टीकाकरण के लिए लॉजिस्टिक समर्थन उपलब्ध कराने के लिए तैयारी कर रही है। एयरलाइन ने बुधवार को कहा कि वह अपनी ढुलाई सेवा स्पाइसएक्सप्रेस के जरिये बेहद संवेदशील दवाओं और टीकों का परिवहन करेगी। इस सेवा के जरिये 40 डिग्री सेल्सियस से 25 डिग्री सेल्सियस के नियंत्रित तापमान में आपूर्ति की जा सकती है। स्पाइसजेट ने बयान में कहा कि स्पाइसएक्सप्रेस ने लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं तथा चिकित्सा आपूर्ति के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब स्पाइसएक्सप्रेस विशेष सेवा स्पाइस फार्मा प्रो के जरिये टीके के परिवहन की तैयारी कर रही है। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, ''लॉकडाउन लगाए जाने के बाद से एयरलाइन की कार्गो इकाई स्पाइसएक्सप्रेस ने महत्वपूर्ण सामग्री और चिकित्सा सामान की देश के कोने कोने और दुनिया में आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्पाइसएक्सप्रेस के बेड़े में 17 कार्गो विमान हैं। स्पाइसएक्सप्रेस घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए भी कार्गो की ढुलाई करती है। लॉकडाउन शुरू होने के बाद से स्पाइसजेट ने 85,000 टन सामान का परिवहन किया है। एयरलाइन के अंतरराष्ट्रीय कार्गो नेटवर्क का परिचालन अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, जर्मनी, फ्रांस, उज्बेकिस्तान, यूएई, सऊदी अरब, थाइलैंड, म्यामां, जापान, मलेशिया, सिंगापुर और कनाडा सहित 50 गंतव्यों तक है।

'गोबर-धन 2020-वेस्ट टू वेल्थ' योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ । स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज2 के अन्तर्गत 'गोबरधन 2020 वेस्ट टू वेल्थ' योजना के सम्बन्ध में मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें पंचायतीराज, कृषि, पशुपालन, नगर विकास, औद्योगिक विकास, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, ग्राम्य विकास, दुग्धशाला विकास आदि विभागों के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बैठक में बताया गया कि योजना का उद्देश्य ग्रामों के ओडीएफ की स्थिति को बनाये रखने, ग्रामों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता के स्तर में सुधार करना तथा ग्रामों को ओडीएफ प्लस का स्तर प्राप्त करना है। योजना के क्रियान्वयन की अवधि वर्ष, 202021 से वर्ष, 202425 रखी गई है। योजना के लिये वित्तीय व्यवस्था केन्द्र एवं राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं के वित्त पोषण और विभिन्न योजनाओं के बीच कन्वर्जेन्स से की जायेगी। इस योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष के लिये मण्डल मुख्यालय पर 18 मॉडल सामुदायिक बायोगैस प्लाण्ट स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना देश के 11 राज्यों में शुरू की गई है, जिसमें उत्तर प्रदेश भी सम्मिलित है।

बैठक में यह भी बताया गया कि इस योजना के क्रियान्वयन के लिये जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गोबर धन सेल समिति के गठन का प्रस्ताव है, जिसमें सीडीओ, बीएसए, सीएमओ, पीडी डीआरडीए, डीपीआरओ, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, सूचना, जिला पंचायत सदस्य एक, ब्लाक प्रमुख दो, ग्राम प्रधान तीन, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, परियोजना अधिकारी नेडा को सदस्य के रूप में नामित किया जायेगा। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें पंचायतीराज, कृषि, पशुपालन, नगर विकास, औद्योगिक विकास, नवीन एवं नवीकरण ऊर्जा, वित्त एवं ग्राम्य विकास को सदस्य नामित किया गया है। मुख्य सचिव ने इस समिति में दुग्ध विकास विभाग को भी शामिल करने के निर्देश दिये।

गली-गली गूंज रही शहनाई, कोरोना व महंगाई का खौफ बेअसर

होटल-लॉन सभी बुक, दूध बिक रहा 80-90 रुपये लीटर तो खोआ 300, पनीर 350

(सुरेश गांधी)

वाराणसी। देवोत्थान एकादशी के बाद शहर से लेकर देहात तक में शादीब्याह के आयोजनों का सिलसिला अंतिम चरण में है। गली मुहल्ले में शहनाई गूंज रही है। आगामी दिनों में सैकड़ों शादियां होने वाली है। खास बात यह है कि लोगों के जेहन से कोरोना का खौफ भी बेअसर हो गया है। सर्दी के बीच फुफकार मार रही कोरोना के बावजूद कही भी सरकारी गाइडलाइन का पालन होता नजर नहीं आ रहा है। पिछले मुहूर्त में कोरोना के चलते विवाह न कर पाने वाले परिवार कुछ इस तरह उत्साहित है कि महंगाई का भी उन पर असर नहीं है। बाजार में दूध 80 से 90 रुपये लीटर तो खोआ व पनीर 350 रुपये खरीदकर मेहमानों का सेवा सत्कार करने में जुटे है। 100 की जगह 200 बाराती सड़कों पर इस कदर झूम रहे है जैसे कोरोना है ही नहीं। यह अलग बात है कि जिन परिवारों के घर शादी है, वे कोरोना संक्रमित हो जा रहे है। चिकित्सकों की माने तो शादी वाले छह परिवारों के घर में दुल्हादुल्हन के कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद प्रशासनिक अमला में भी हड़कंप मच गया है। सात फेरों से पहले ही चार दुल्हा और दो दूल्हन कोविड19 के शिकार हो

गए हैं। इतना ही नहीं दूल्हा दुल्हन के परिवारों व उनके करीबी 15 रिश्तेदारों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।

सूत्रों की मानें तो कुछ परिवार रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद भी दवाइयां लेकर चोरी चुपके शादी के आयोजन कर रहे है। ऐसे में इन परिवारों की शादियों में आने वाले मेहमानों व रिश्तेदारों को भी संक्रमण का खतरा बना रहेगा। हालांकि कुछ परिवारों ने अपने विवाह की तारीख आगे बढ़ा दिया है ताकि अन्य परिवार के लोग संक्रमित होने से बच सके। लेकिन जिन घरों में शादिया है उनके यहां सोशल डिस्टेंसिंग का बिलकुल ध्यान नहीं रखा जा रहा है। शादी में जहां धड़ल्ले से सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई जा रही है, वहीं बाराती बिना मास्क व सेनेटाइजर के बैंडबाजा की धुन पर थिरकते नजर आ रहे है। दुल्हादुल्हन भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कर रहे। मुंह पर मास्क और हाथों में सैनिटाइजर का भी कहीं अतापता नहीं है।

बता दें, कोरोना के बढ़ते प्रभाव के बाद हाईकोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के सबसे ज्यादा कोविड संक्रमण से प्रभावित जिलों में सप्ताह के हर दिन 24 घंटे ड्रोन कैमरे से भीड़भाड़ वाली जगहों पर निगरानी का निर्देश दिया है। लेकिन सब कागजों पर है। जिला प्रशासन अधिकारियों की माने तो, कोविड नियमों के तहत सरकार ने शादी समारोह में 100 से ज्यादा लोगों के सम्मिलित नहीं होने की गाइडलाइन जारी की है। समारोह में भी सामाजिक दूरी बनाने संग सभी लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य होगा। सहालग की सीजन में पहली तिथि 25 नवंबर को होने की वजह से शादियों की धूम भी कोरोना संक्रमण के बीच खूब रही। इस दौरान विवाह में सात फेरों के सात वचन के साथ जब तक दवाई नहीं तब तक ढिलाई नहीं का वचन भी दिलाया।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली—1 से मुद्रित व **ई—4/168,** गली नंबर—6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली—94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.— 07042999974
टेली— 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

किसानों की चेतावनी- सरकार कृषि कानूनों को रद्द करे, वरना दिल्ली ब्लॉक कर देंगे

एक नजर

गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन में अब जानवरों की एंट्री

गाजीपुर बॉर्डर (दिल्ली/उप्र)। गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसान अब अपने साथ जानवर (गाय) लेकर पहुंच गए हैं। मंगलवार को सरकार से बातचीत बेनतीजा रहने पर किसान अब आर पार की लड़ाई के मूड में हैं। पिछले 6 दिनों से चल रहा किसान आंदोलन बुधवार को 7वें दिन भी थमता नहीं दिख रहा है। गाजीपुर बॉर्डर पर आए किसानों ने अपने घरों से जानवरों को बुला लिया है और अपने साथ इस प्रदर्शन में शामिल कर लिया है। किसान जानवरों को लखीमपुर खीरी और उत्तराखंड से ले कर आए हैं। उनका कहना है कि अभी दो ही जानवरों को लाया गया है, और जानवर आने वाले हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा लगाए गए बेरिगेड पर इन जानवरों को बांध दिया गया है और वहीं जानवरों के खाने की व्यवस्था भी की गई है। किसानों का कहना है कि इस प्रदर्शन की वजह से जानवरों को घरों में अकेला छोड़ नहीं सकते। जानवरों को चारा डालने में समस्या आ रही थी। वहीं अब बॉर्डर पर ही इन जानवरों की देखरेख करेंगे। किसानों का कहना है अभी हम दो जानवर ले कर आए हैं। और जानवर आएंगे और यही रहेंगे, जिसमें गाएं भी शामिल हैं।

फाइजर की कोरोना वैक्सीन को ब्रिटेन में मिली मंजूरी

नई दिल्ली। दवा कंपनी फाइजर और बायो एन टेक की कोरोना वैक्सीन को ब्रिटेन में मंजूरी मिल गयी है और अगले सप्ताह से यह वैक्सीन पूरे ब्रिटेन में उपलब्ध हो जायेगी। विश्वस्त सूत्रों के हवाले से मिली खबर के मुताबिक ब्रिटिश सरकार ने मेडिसिन एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी की सिफारिश को मंजूर करते हुए फाअजर की कोरोना वैक्सीन के इस्तेमाल की आज मंजूरी दी है। यह वैक्सीन अगले सप्ताह से उपलब्ध हो जायेगी। हालांकि, यह तय करना कि पहले किस आबादी समूह का टीकाकरण किया जायेगा, यह जिम्मेदारी ब्रिटेन की वैक्सीन समिति की है। फाइर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ अल्बर्ट बर्ला ने आज कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग में यह एक ऐतिहासिक क्षण है। फाइजर ने मंगलवार को बताया था कि उसने अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय नियामकों के समक्ष वैक्सीन के सशर्त इस्तेमाल की मंजूरी के लिए आवेदन किया है। फाइजर की यह वैक्सीन परीक्षण के दौरान 94 प्रतिशत सफल मानी गयी है। इस वैक्सीन की दो खुराक लेनी होती है।

यूपी में युवाओं को रोजगार की सौगात लेकर आ रही स्वीडन की कंपनी

लखनऊ। रोजगार का इंतजार कर रहे उत्तर प्रदेश के युवाओं के अच्छे दिन आने वाले हैं। स्वीडन की कंपनी यूपी के युवाओं के लिए रोजगार की बड़ी सौगात लेकर आई है। फर्नीचर और होम अप्लायेंस बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक आइकिया महज कुछ सप्ताह में नोएडा में अपना आउटलेट शुरू करने जा रही है। 52 देशों में अपने आउटलेट खोल कर बड़ी संख्या में रोजगार और व्यापार उपलब्ध कराने वाली स्वीडन की कंपनी यूपी में 5,000 करोड़ का निवेश कर करीब दर्जन भर आउटलेट खोलने की तैयारी में है। योगी सरकार ने आइकिया को आउटलेट बनाने के लिए नोएडा में 47,833 वर्ग मीटर जमीन उपलब्ध कराई है।

नोएडा में आइकिया भारत का अपना सबसे बड़ा आउटलेट शुरू करने जा रही है। नोएडा में आइकिया को जमीन एलाट करने के साथ ही राज्य सरकार ने कंपनी के करीब 5,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना को जमीन में उतार दिया है। दुनिया के 52 देशों में 433 से ज्यादा सेंटर खोलने वाली आइकिया यूपी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है। नोएडा से शुरूआत कर रही आइकिया की योजना पूर्वांचल और मध्य यूपी में कम से कम तीन बड़े आउटलेट खोलने की है। नोएडा का सेंटर शुरू करने के साथ ही अन्य आउटलेट की योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। कंपनी 2025 तक योगी सरकार के साथ तय योजना के मुताबिक अपने सभी आउटलेट शुरू कर देगी।

कर्नाटक में एक लाख छात्र निजी स्कूल छोड़ सरकारी विद्यालय पहुंचे

कोरोना काल में परिवार की माली हालत बिगड़ी

(विशेष संवाददाता)

बेंगलुरु । कर्नाटक में करीब एक लाख छात्रों ने निजी स्कूल छोड़ सरकारी विद्यालयों में प्रवेश ले लिया है। कोरोना काल में माली हालत बिगड़ने के बाद उनके परिवारों ने मजबूरी में ये निर्णय लिया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, कर्नाटक के कम खर्च वाले प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले करीब एक लाख छात्रों ने सरकारी स्कूलों का रुख किया है। उनके मातापिता की आमदनी कम हुई है और वे फीस अदा नहीं कर पा रहे हैं। ऑटो ड्राइवर अनंत नायक अपने बेटे मिथुन को प्राइवेट स्कूल भेजते थे, लेकिन अब उसका दाखिला सरकारी स्कूल में करवाना पड़ा. अभी डेढ़ से तीन हज़ार का पढ़ाई का खर्च वो नहीं उठा

पा रहे हैं. कोरोना की वजह से आमदनी कम हुई तो इसका असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है. अनंत कुमार ने कहा कि कोरोना वायरस की वजह से हमारा धंधा मंदा है. स्कूल की फीस के साथ यूनिफॉर्म किताबों और कंप्यूटर लैब का खर्च इतना ज्यादा है कि उसके बूते के बाहर है. इसीलिए अब सरकारी स्कूल में अपने बेटे का दाखिला करवाया है।

कर्नाटक में बड़े छोटे तक़रीबन 20 हज़ार निजी स्कूल हैं. इनकी भी आर्थिक हालात खराब है, क्योंकि बड़े पैमाने पर बच्चों ने नाम कटवा लिया है. अभिभावक फीस दे नही पा रहे हैं. सरकारी आंकड़ो के मुताबिक, 1 लाख के आसपास छात्रों ने छोटे बड़े निजी स्कूलों से नाम कटवाकर या तो सरकारी स्कूलों का रुख किया है या फिर शहर या राज्य छोड़ कर दूसरी जगहों पर चले गए हैं क्योंकि माता पिता के पास फीस देने के पैसे नही हैं।

सरकारी स्कूलों की पढ़ाई से खुश छात्र

शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार ने कहा कि करीब 93 हजार के आसपास छात्रों ने निजी स्कूलों से नाम कटवा कर सरकारी स्कूलों में दाखिला लिया है. यहां की पढ़ाई से वो खुश हैं. उन्हें लगता है कि आने वाले दिनों में ऐसे छात्रों की संख्या और बढ़ेगी।

ऑनलाइन कक्षाओं के लिए भारी शुल्क क्यों

अभिभावकों को लगता है कि ऑनलाइन क्लासेज के लिए पहले की तरह भारी भरकम फीस क्यों दी जाए जबकि छात्र स्कूल जा नही रहे। जबकि स्कूलों को टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को सैलरी देनी है और रखरखाव का खर्चा अपनी जगह है। उनका कहना है कि ऐसे में फीस कम करना संभव नही है।

हाथरस: कप्पन की रिहाई मामले में सुनवाई एक सप्ताह टली

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के हाथरस कांड के सिलसिले में गिरफ्तार केरल के पत्रकार सिद्दीक कप्पन की रिहाई के लिए दायर याचिका की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए बुधवार को टाल दी। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस मामले के याचिकाकर्ता केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई अगले सप्ताह के लिए टाल दी। सिब्बल ने शीर्ष अदालत को बताया था कि याचिका में केरल के पत्रकार की पत्नी और बेटी को भी हस्तक्षेपकर्ता बनाया जायेगा। इसके बाद सुनवाई टाल दी गयी। सुनवाई के दौरान श्री सिब्बल ने प्राथमिकी में झूठे आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि यह मामला शीर्ष अदालत द्वारा असाधारण अधिकार के इस्तेमाल के लायक है। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सिब्बल की दलीलों का पुरजोर विरोध किया। मेहता ने कहा कि पिछले आदेश के बाद एक वकील वकालतनामा पर हस्ताक्षर के लिए कप्पन से मिला था। इसलिए कप्पन को अन्य आरोपियों की तरह जमानत के सामान्य कानूनी उपायों का पालन करना चाहिए। इसके बाद श्री सिब्बल ने रिपब्लिक टीवी के प्रमुख सम्पादक अर्नब गोस्वामी को दी गयी जमानत का हवाला देकर वैसी ही राहत की मांग की, लेकिन मेहता ने कहा कि कप्पन फर्जी पत्रकार हैं, क्योंकि उनके पास तीन साल पहले बंद हुए एक समाचार पत्र का पहचान पत्र बरामद किया गया है।

महिला जजों की संख्या बढ़ाने की एटर्नी जनरल ने की वकालत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । केंद्र सरकार के सबसे बड़े विधि अधिकारी एटर्नी जनरल के. के. वेणुगोपाल ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए अदालतों में महिला जजों की संख्या बढ़ाने की वकालत की है। वेणुगोपाल ने दुष्कर्म के आरोपी को पीड़िता से राखी बंधवाने की शर्त पर जमानत दिये जाने के मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर याचिका में अपने लिखित हलफनामे में न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में सुधार करने से यौन हिंसा से जुड़े मामलों में एक अधिक संतुलित और सशक्त दृष्टिकोण विकसित होगा। उन्होंने कहा, अदालतों में महिला जजों की संख्या, उनके हकों पर ध्यान दिया जाये, ताकि महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध और उनसे जुड़े मामलों में सख्ती बरती जा सके। एटर्नी जनरल ने उदाहरण देते हुए कहा है कि शीर्ष अदालत में केवल दो महिला जज हैं, जबकि यहां न्यायाधीशों की स्वीकृत

सीटें 34 हैं। आजादी के इतने साल बाद तक कोई महिला भारत की मुख्य न्यायाधीश नहीं बन सकी है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अधिवक्ता अर्पणा भट और आठ अन्य महिला वकीलों की ओर से विशेष अनुमति याचिका दायर की गयी है, जिसमें एटर्नी जनरल से सहायता का अनुरोध किया गया है। वेणुगोपाल ने कहा है कि पूरे देश में उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में 1,113 न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पदों में से केवल 80 महिला न्यायाधीश हैं। इन 80 महिला जजों में से दो उच्चतम न्यायालय में और अन्य 78 विभिन्न उच्च न्यायालयों में हैं, जो कुल न्यायाधीशों की संख्या का केवल 7.2 प्रतिशत है। एटर्नी जनरल ने अपने हलफनामे में इस तरह के मामलों में जमानत की शर्तों, जजों को दिये जाने वाले प्रशिक्षण और महिला जजों की संख्या को लेकर सवाल खड़े किये हैं। हलफनामे में अपील की गई है कि अदालत को दुष्कर्म के किसी भी मामले में आरोप की गंभीरता को समझते हुए शादी जैसे फैसले नहीं देने चाहिए। इतना ही नहीं जमानत की अपील में पीड़िता की सुरक्षा का ध्यान रखा जाना चाहिए।

रोजगार उपलब्ध करवाने के योगी आदित्यनाथ के प्रयास का स्वागत है: राऊत

मुंबई, 02 दिसंबर । शिवसेना के प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने कहा कि उत्तर प्रदेश के करोड़ों लोग मुंबई सहित महाराष्ट्र में रोजीरोटी कमाने आते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन लोगों को अगर अपने प्रदेश में ही रोजगार के साधन उपलब्ध करवा रहे हैं तो इसका स्वागत है। इससे मुंबई और महाराष्ट्र पर पड़ने वाला बोझ कम होगा। इसके लिए आदित्यनाथ को हर तरह की मदद करने के लिए राज्य सरकार तैयार है। सांसद राऊत ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले से ही फिल्म इंडस्ट्री थी, उसका क्या हुआ। यह बात आदित्यनाथ को बताना चाहिए। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भगवा कपड़ा पहनकर सेवन स्टार होटल में दो दिन बिताया है। जुहू, पाली हिल जैसे इलाकों में रहने वाले अतिअमीर लोगों से चर्चा की है। इसी मुंबई की तुलना भारतीय जनता पार्टी की एक समर्थक ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से की थी। योगी को इसी मुंबई में उन्हें आकर उद्योगपतियों से चर्चा करनी पड़ी है।

अमरिंदर का पंजाब में कोविड वैक्सीन का पहला टीका लगवाने का ऐलान

(विशेष संवाददाता)

चंडीगढ़, 02 दिसंबर । पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा है कि कोविड वैक्सीन का पहला टीका वह लगवायेंगे। उन्होंने आज ऐलान किया कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.) की एक बार मंजूरी मिलने पर पंजाब में वैक्सीन का पहला टीका वह लगवाएंगे।

वह आज वर्चुअल मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य में कोविड की स्थिति और वैक्सीन की तैयारियों पर चर्चा कर रहे थे।

बैठक में बताया गया कि कोरोना वैक्सीन के लिए भारत सरकार की रणनीति की तर्ज पर पंजाब ने स्वास्थ्य कामगारों, फ्रंटलाईन वर्करों, बुजुर्गों की आबादी (50 साल से अधिक) और अन्य बीमारियों से पीड़ित लोग (50 साल या इससे कम) को प्राथमिक वर्ग में शामिल किया है। स्वास्थ्य सचिव हुस्न लाल के मुताबिक राज्य ने 1.25 लाख सरकारी और प्राईवेट स्वास्थ्य कामगारों का डाटा तैयार किया है जिनको पहले चरण में वैक्सीन दी जानी है। भारत सरकार की वैक्सीन

संबंधी प्राथमिकता के हिसाब से राज्य की लगभग तीन करोड़ की आबादी में से राज्य की तकरीबन 23 प्रतिशत जनसंख्या (70 लाख) इसके घेरे में आती है।

वैक्सीन के सुचारू ढंग से प्रयोग को यकीनी बनाने के लिए राज्य की संचालन समिति, राष्ट्रीय संचालन समिति के साथ नजदीकी तालमेल रख रही है जबकि प्रांतीय टास्क फोर्स द्वारा इसके लिए ज़िला और ब्लॉक स्तर की समितियों के साथ मिलकर काम किया जायेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन, यू.एन.डी.पी. जैसी संस्थाएं इस प्रक्रिया में विकासमुखी सहयोगियों के तौर पर काम कर रही हैं। मौजूदा सुविधाओं का जायजा लेने के बाद राज्य ने केंद्र सरकार को वैक्सीन वैनों, फ्रीजर, रेफ्रीजरेटर, कोल्ड बॉक्स, वैक्सीन कैरियर, आईस पैक, थर्मोमीटर और स्टैबलाईजर समेत अन्य कोल्ड चेन साजोसामान मुहैया करवाने की अपील की है।

माघ मेला में ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों का होगा कोविड परीक्षण

प्रयागराज (उप्र), 02 दिसंबर । उत्तर प्रदेश में होने जा रहे माघ मेले में तैनात होने वाले सिविल पुलिस के अलावा एटीएस, एसटीएफ, अर्धसैनिक बलों, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, बीडीडीएस, दमकलकर्मी और यातायात जैसे अन्य विंग के 5,000 से अधिक लोगों का ड्यूटी शुरू करने से पहले कोविड19 परीक्षण होगा। प्रयागराज में अगले महीने 14 जनवरी से यह मेला लगेगा। प्रयागराज रेंज के आईजी के.पी. सिंह के अनुसार, हम महीने भर चलने वाले माघ मेला में ड्यूटी करने के लिए राज्य के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पुलिस कर्मियों के एंटीजन और आरटी पीसीआर परीक्षण करेंगे। इस मेले में फतेहपुर, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट सहित विभिन्न जिलों के पुलिस बल को तैनात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पुलिसकर्मियों के एंटीजन और आरटी पीसीआर परीक्षण वायरस के प्रसार की जांच करने में अधिकारियों की मदद करेंगे और पुलिस अधिकारी भी परीक्षण और इसके नतीजों पर कड़ी निगरानी रखेंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने माघ मेला के दौरान गंगा नदी के तट पर कल्पवास में रहने के इच्छुक भक्तों को पहले से ही मेला मैदान में प्रवेश करने के लिए निगेटिव आरटीपीसीआर परीक्षण रिपोर्ट अपने साथ लाने के लिए कहा है। भक्तों को महीने भर यहां रहने के दौरान हर हफ्ते परीक्षण कराना होगा। माघ मेले के अन्य आगंतुकों का भी परीक्षण किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम मेले की महीने भर की अवधि के दौरान कोविड19 के प्रसार को रोकने के लिए सभी उपाय करेंगे। कर्मचारियों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी। 110 सीसीटीवी सेट के नेटवर्क से मेला परिसर के कोनेकोने की कड़ी निगरानी की जाएगी। सभी प्रवेश और निकास द्वार पर मोबाइल पुलिस टीमें और पिकेट तैनात किए जाएंगे।

चुनाव नजदीक आते ही गगनचारी बन गये हैं योगी: अखिलेश

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 02 दिसंबर । समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव की घड़ी नजदीक आने के साथ सूबे के मुख्यमंत्री प्रदेश छोड़ कर गगनचारी बन गये है। उन्होने यहां जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार का कार्यकाल एक वर्ष भी नहीं बचा है। जैसेजैसे चुनाव की घड़ी नजदीक आती जा रही है, मुख्यमंत्री प्रदेश छोड़कर गगनचारी बन गए हैं। कभी हैदराबाद, कभी मुम्बई, कभी पश्चिम बंगाल, कुछ दिन पहले बिहार में थे।

प्रदेश में सरकारी दायित्वों के निर्वहन से मुंह मोड़कर बैठे ठाले दूसरे राज्यों के दौरों की सक्रियता जताती है कि भाजपा से जनता के मोहभंग से मुख्यमंत्री परिचित हो गए हैं। भारतीय लोकतंत्र के साथ इस तरह की स्थिति शायद ही पहले हुई हो जिसमें जबानी जमा खर्च से कार्यव्यापार चलाया गया हो। यादव ने कहा कि न अपना कोई काम और नहीं किसानों के साथ न्याय फिर भी सरकारी दावेदारी कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। सबका साथ और सबका विश्वास पाने के लिए लाठीगोली, आंसू गैस और पानी की बौछार का तोहफा। लंबे चैड़े वादों से लोगों को बहकाने की साजिशें। भाजपा के कुशासन से अन्नदाता बर्बाद है। भाजपा राज में किसानों को राहत के ये नए फार्मूले है। उन्होने कहा कि किसान की आय दुगुनी करने का झूठा आश्वासन से कृषि कानूनों की आड़ में किसानो की जमीन हड़पने का जो षडयंत्र है उसे खेती किसानी करने वाले अच्छे से समझते हैं। किसानों का असंतोष आक्रोश बनकर फूट पड़ा है। भाजपा शासित राज्यों के किसान भी आंदोलित हैं। किसानो के हित में समाजवादी सरकार ने एमएसपी दिलाने के लिए मंडियों की स्थापना और कृषि सुरक्षा वाली संरचना के विस्तार पर कदम उठाए थे, भाजपा ने इनको चैपट करने का काम किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज को बांटने, भ्रम, भय और भ्रष्टाचार की राजनीति में भाजपा की दक्षता और कुशलता के सभी कायल हैं ।

राजनाथ ने देशवासियों से झंडा दिवस कोष में योगदान की अपील की

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (वेबवार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश के वीर शहीदों के आश्रितों और अभियानों तथा युद्धों में लड़ते हुए दिव्यांग हुए सैनिकों की देखभाल को सभी नागरिकों का सामूहिक दायित्व करार देते हुए लोगों से सशस्त्र झंडा दिसव कोष में बढचढ कर योगदान देने की अपील की है। सिंह ने हर वर्ष सात दिसम्बर को मनाये जाने वाले सशस्त्र झंडा दिवस से पहले अपने संदेश में आज कहा कि इस दिन को वीर शहीदों, वीर नारियों और उनके परिजनों के प्रति सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूरे दिसम्बर माह को सैनिक बोर्डों के माधमों से सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में 'गौरव माह' के रूप में मनाया जायेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आजादी से लेकर आज तक देश ने कई चुनौतियों का सामना किया है चाहे वे देश की संप्रभुता और अखंडता के लिए लड़े गये युद्ध में विजय हासिल करने की हो या सीमा पार से हो रही आतंकवादी गतिविधियों का सामना करने की, सशस्त्र सेनाओं ने बहुत मुस्तैदी से सभी चुनौतियों का सामना किया है। इस पराक्रम के दौरान हमारे अनेक वीर जवानों ने सर्वोच्च बलिदान भी दिया है और कई दिव्यांग भी हुए हैं। परिवार के मुखिया की मृत्यु होने पर परिवार पर जो बीतती है उसका अनुमान लगाना भी मुश्किल है। उन शहीदों वीर नारियों और बच्चों जिन्हें वे पीछे छोड़ गये हैं या वो सैनिक जो अपनी मातृ भूमि की रक्षा करते हुए जख्मी हुए हैं उनके प्रति हमारा बहुत बड़ा दायित्व बनता है।

विशेषज्ञों ने महिलाओं के विरूद्ध साइबर अपराधों से निपटने के लिए उपयुक्त शिकायत समाधान प्रणाली का सुझाव दिया

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (वेबवार्ता)। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) का कहना है कि साइबर विशेषज्ञों ने महिलाओं के साथ होने वाले साइबर अपराधों से निपटने के लिए एक उपयुक्त शिकायत समाधान प्रणाली का सुझाव दिया है जो उपयोग में आसान है। महिलाओं के विरूद्ध साइबर अपराध पर पांचवीं समीक्षा परामर्श में आयोग ने कहा कि साइबर दुनिया के विशेषज्ञों ने वर्तमान शिकायत समाधान प्रणाली की खामियों को दूर करने के उपायों पर चर्चा की। महिलाओं के अधिकारों के इस शीर्ष संगठन ने एक बयान में कहा, ''समिति ने उपयुक्त शिकायत समाधान प्रणाली की जरूरत का सुझाव दिया जो उपयोग में आसान, बहुभाषी और सभी के लिए सुविधाजनक है।'' उसने कहा कि समिति के सदस्यों के अहम सुझावों में एक कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन हेतु उपयुक्त नीतियों का निर्माण था क्योंकि उनमें से कई की राय थी कि वर्तमान कानून एवं विनियम काफी हैं लेकिन इन कानूनों का बेहतर क्रियान्वयन समय की मांग है। हालांकि समिति के

सदस्यों का यह भी विचार था कि महिलाओं और बच्चों के विरूद्ध साइबर अपराधों से निपटने पर केंद्रित नये कानूनी प्रावधानों से समस्या से निपटने में मदद मिल सकती हैं और स्कूली पाठ्यक्रमों में साइबर अपराधों से संबंधित कानूनों को शामिल करने से बच्चे के छोटी उम्र में ही इन अपराधों के प्रति जागरूक होने में मदद मिलेगी।

जल संरक्षण को लेकर सरपंचों का अहम योगदान, गांवों में बन रहे हैं जल मंदिर

लाल किले की प्राचीर से पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने पानी और स्वच्छता पर चर्चा की

नई दिल्ली, 02 दिसंबर । केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि गांव का सरंपच एक ग्राम पंचायत का चुना हुआ प्रतिनिधि नहीं, बल्कि छोटी संसद यानि अपने ग्राम पंचायत का प्रधानमंत्री है। जिस तरह से देश की सबसे बड़ी संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानी के महत्व को समझा, उसी तरह से देश की सबसे छोटी संसद यानि ग्राम पंचायत के सरपंचों को पानी के महत्व को समझना होगा।

ये बातें बुधवार को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एमआईटी वर्ल्ड पीस युनिवर्सिटी पुणे द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सरपंच संसद के कार्यक्रम को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुई कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सरपंच संसद देश की माटी से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इतिहास में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता को लेकर लाल किले की प्राचीर से चर्चा की। देश के

पहले ऐसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिन्होंने देश के अंतिम पायदान पर बैठे हर एक व्यक्ति को स्वच्छ पेयजल और शौचालय उपलब्ध करवाने का बीड़ा उठाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण को लेकर देश के सभी सरपंचों को स्वयं पत्र लिखा और मन की बात में लोगों से अपील भी की। इसके बाद गांवों में बड़ा बदलाव दिख रहा है। ये बदलाव सरपंचों के योगदान से आया है। सरपंचों के योगदान से देश में सुखद और सकारात्मक बदलाव हुआ है, स्वच्छता आंदोलन की तरह ही लोग अब गांवों में जलमंदिर बनाने में जुट गए हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बावजूद इस वर्ष देश में 7 लाख जल निकायों का पुनरुद्धार करने जा रहा है, जिनमें से 4 लाख 52 हजार से ज्यादा पर काम पूरा हो चुका है।

ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहां एक व्यक्ति, संस्था, समूह, ग्राम पंचायत, जनप्रतिनिधि या सरकार ने अपने स्तर पर प्रयास किए और क्षेत्र या गांव को जल समृद्ध बनाने में सफलता पाई। जब एक गांव जल समृद्धि होता है तो वो केवल गांव को पानी की सुरक्षा प्रदान नहीं करता, अपितु पूरे इको सिस्टम में परिवर्तन लाता है।

शेखावत ने कहा कि सरकार ने पेयजल और स्वच्छता को प्राथमिकता पर रखा है। 15वें वित्त आयोग में केवल इस वर्ष के लिए 60 हजार करोड़ रुपए पंचायती राज संस्थानों को एक साल के लिए जारी किया था, उसका 50 फीसदी हिस्सा यानि 30 हजार करोड़ रुपया केवल पेयजल और स्वच्छता पर ही खर्च हो, इस तरह के ग्रांट के रूप में दिया था। कम से कम 15 हजार करोड़ रुपया तो राज्यों के पास में इस वर्ष केवल सैनीटेशन के लिए उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के साथ साथ हर घर को जल पहुंचाने के लिए तेजी के साथ काम हो रहा है। जलजीवन मिशन के तहत हर दिन करीबकरीब 1 लाख परिवारों को शुद्ध पेयजल की सुविधा से जोड़ा जा रहा है।

सिर्फ 1 साल में 2 करोड़ से ज्यादा परिवारों तक पीने का पानी पहुंचाया जा चुका है। इस मौके पर विशेष रूप से समाजसेवी अन्ना हजारे और एमआईटी वर्ल्ड पीस युनिवर्सिटी पुणे के प्रमुख राहुल विश्वनाथ कराड ने भी हिस्सा लिया।